Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 194
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,12 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

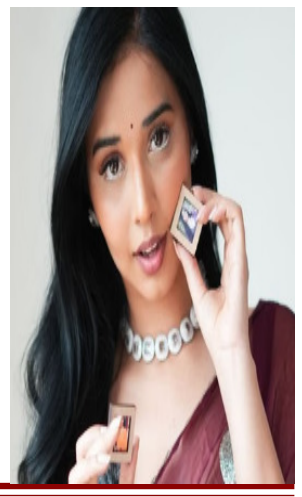

2 10 साल की कानूनी लड़ाई के बाद रेलवे को मिली

5 24 घंटे कुछ न खाने से होते हैं शरीर में पॉजिटिव

7 आलिया भट्ट नहीं बनना बिग बॉस 19 फेम

यूपी सरकार ने 9.13 लाख करोड़ रुपये का पेश किया बजट

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 9,12,696.35 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह बजट पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले लगभग 12.2 प्रतिशत अधिक है और इसे राज्य की 18वीं विधानसभा का अंतिम पूर्ण बजट माना जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार राजकोषीय प्रबंधन और ऋण नियंत्रण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बजट और राजकोषीय स्थिति वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि बजट में 43,565.33 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल की गई हैं। समेकित निधियों को घटाने के बाद अनुमानित घाटा 64,463.17 करोड़ रुपये है, जबकि राजकोषीय घाटा 1,18,480.59 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो राज्य के कुल जीएसडीपी का 2.98 प्रतिशत है। स्वास्थ्य और शिक्षा को प्राथमिकता उन्होंने बताया कि बजट

में शिक्षा और चिकित्सा-स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा के लिए कुल बजट का 12.4 प्रतिशत और चिकित्सा-स्वास्थ्य के लिए 6 प्रतिशत आवंटित किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के लिए 37,956 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। प्रदेश में 14 नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के लिए 1,023 करोड़ रुपये, कैंसर संस्थान लखनऊ के लिए 315 करोड़ रुपये, और असाध्य रोगों के इलाज के लिए 130 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए 8,641 करोड़ रुपये, आयुष्मान भारत योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये, और आयुष सेवाओं के लिए 2,867 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। औद्योगिक और अवसंरचना विकास वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा बजट में अवस्थापना और औद्योगिक विकास के लिए 27,103 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 13 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री औद्योगिक क्षेत्र विस्तारीकरण और नए औद्योगिक क्षेत्र प्रोत्साहन योजना के लिए 5,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। एमएसएमई और छोटे उद्योगों के लिए 3,822 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि हथकरघा और वस्त्र उद्योग के लिए 541 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए 2,059 करोड़ रुपये और उत्तर प्रदेश एआई मिशन के लिए 225 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। पुलिस और कानून-व्यवस्था वित्त मंत्री ने बताया कि सरकार ने पुलिस विभाग को मजबूत बनाने के लिए कदम उठाए हैं। अनावासीय पुलिस भवनों के निर्माण के लिए 1,374 करोड़ रुपये और आवासीय भवनों के लिए 1,243 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। युवा सशक्तिकरण और डिजिटल पहल उन्होंने कहा स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेट और स्मार्टफोन वितरण की प्रक्रिया जारी है, जिसके लिए 2,374 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सुरक्षित नारी, सक्षम युवा और खुशहाल किसान पर आधारित है 2026-27 का बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2026-27 के बजट को उत्तर प्रदेश के नवनिर्माण की नवगाथा बताते हुए कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश ने अपनी छवि बदलने में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज पोटेंशियल हब के रूप में उभरा है और देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना चुका है। विधानसभा में बजट पेश होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने यह बातें कहीं । मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष का बजट 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है, जो पिछले नौ वर्षों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ा है। बजट की थीम सुरक्षित नारी, सक्षम युवा, खुशहाल किसान और हर हाथ को काम रखी गई है। उन्होंने कहा कि लगभग 43,565 करोड़ रुपये नई योजनाओं के लिए प्रस्तावित किए गए हैं, जबकि 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए निर्धारित की गई है, जिससे निर्माण कार्यों के माध्यम से रोजगार और विकास को गति मिलेगी। श्री

योगी ने कहा कि यह उनकी सरकार का 10वां बजट है और पहली बार किसी मुख्यमंत्री को लगातार दसवीं बार बजट पेश करने का अवसर मिला है। उन्होंने दावा किया कि बीते नौ वर्षों में राज्य में कोई नया कर नहीं लगाया गया। कर चोरी पर प्रभावी नियंत्रण और वित्तीय अनुशासन के कारण उत्तर प्रदेश को श्रेवेन्यू प्लसश राज्य के रूप में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश का अनुकूल वातावरण बना है। अब तक 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बेहतर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा की गारंटी ने निवेशकों और आम नागरिकों का विश्वास बढ़ाया है। तकनीकी क्षेत्र में प्रगति का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में स्टेट डेटा अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के लिए डेटा सेंटर क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे तथा एआई मिशन की भी शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश तकनीक से समृद्ध राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र पर बोलते हुए योगी ने कहा कि अन्नदाता को उद्यमी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कृषि में डीजल पंप सेट के माध्यम से सिंचाई क्षमता बढ़ाई गई है और पीएम कुसुम योजना का लाभ भी किसानों को दिया जा रहा है। प्रदेश की 44 चीनी मिलों के आधुनिकीकरण से लगभग 10 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

सार संक्षेप

राजस्थान-शादी से लौट रहे दोस्तों की कार टकराई, 6 मौत

दौसा : राजस्थान के दौसा में भीषण सड़क हादसे में 6 दोस्तों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ये शादी-समारोह से घर लौट रहे थे। ओवरस्पीड कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी ओर से निकल रहे ट्रेलर में घुस गई। हादसा बीती देर रात करीब 11 बजे जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर कैलाई गांव के पास हुआ ट्रेलर में घुसी कार को क्रेन से अलग किया गया। इसके बाद कार में फंसे युवकों को हॉस्पिटल पहुंचाया गया। सिकंदरा अस्पताल में 4 युवकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, 2 गंभीर घायलों को दौसा जिला अस्पताल रेफर किया गया। एक युवक ने दौसा में दम तोड़ दिया। जबकि एक युवक की इलाज के दौरान जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में मौत हो गई। हादसे में समय सिंह (25) पुत्र राम सिंह योगी, लोकेश (24) पुत्र गोवर्धन योगी, दिलखुश (24) पुत्र बनवारी योगी, मनीष (23) पुत्र हरिमोहन योगी, अंकित (26) पुत्र लालाराम बैरवा और नवीन (23) की मौत हो गई।पुलिस के अनुसार कार सवार सभी कालाखो (दौसा) गांव के रहने वाले हैं। वे मंगलवार को आभानेरी गांव में शादी-समारोह में शामिल होने गए थे।

गीजर की गैस से पति-पत्नी और बेटे की मौत,कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से गई जान

सूरत : गुजरात के सूरत शहर में सोमवार-मंगलवार की रात पति-पत्नी और बेटे की नींद में ही मौत हो गई थी। प्राथमिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला है कि तीनों की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड गैस से हुई थी। पुलिस की जांच में भी सामने आया है कि घर में लगा गीजर रात भर से चालू था। हालांकि मौतों का सटीक कारण पता करने के लिए शव से ब्लड और विसरा लेकर एफएसएल भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी। मंगलवार की रात 40 वर्षीय सैयद फैज युसूफ अहमद, उनकी पत्नी मुबीना सैयद (36) और बेटा नोमान (12) घर में सो रहे थे। घटना का पता तब चला, जब सुबह सैयद का भाई उस्मान इनके घर पहुंचा। दरवाजा अंदर से बंद था।

यूपी बजट 2026-27, पंचायतों पर मेहरबान सरकार, विकास योजनाओं को मिली रफ्तार

लखनऊ : उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया जिसमें इस वर्ष संभावित पंचायत चुनाव को ध्यान में रखते हुए पंचायती राज की योजनाओं के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक धनराशि प्रस्तावित की गई है।वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में बजट भाषण में कहा कि पंचायती राज की योजनाओं के लिए लगभग 32,090 करोड़ रुपये प्रस्तावित है जो वर्ष 2025-26 की तुलना में 67 प्रतिशत अधिक है। राजनीतिक जानकारों ने कहा कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पंचायत चुनाव को राजनीतिक दल पूर्वाभ्यास के तौर पर ले सकते हैं, इसलिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने इस विभाग को विशेष महत्व दिया है। हालांकि पंचायत चुनाव की अभी तक कोई तिथि तय नहीं है, लेकिन पंचायत राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने पिछले दिनों दावा किया कि पंचायत चुनाव समय पर होंगे। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित बजट में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वितीय चरण के लिए 2823 करोड़ रुपये, ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी के लिए 454 करोड़ रुपये, ग्रामीण स्टेडियम एवं ओपन जिम के लिए 130 करोड़ रुपये, ग्राम पंचायतों के 1000 बहुउद्देशीय पंचायत भवनों के निर्माण के लिए 57 करोड़ रुपये, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत उत्सव भवन, बारात घर निर्माण योजना के तहत 100 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बजट में किया गया।

यह विदाई बजट है भाजपा की विदाई तय : अखिलेश

लखनऊ,: उत्तर प्रदेश विधानसभा में पेश किए गए योगी सरकार के 10वें बजट को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जोरदार हमला बोला है। उन्होंने इसे विदाई बजट करार दिया है। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बजट का आकार भले ही 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिखाया जा रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत में यह जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता। समाजवादी पार्टी के राज मुख्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने कहा, जब मुंह खोला तब बुरा बोला। यह विदाई बजट है और अब भाजपा की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि हर

वर्ष बजट का आकार स्वाभाविक रूप से बढ़ता है, इसलिए केवल राशि बढ़ाना उपलब्धि नहीं माना जा सकता। असली सवाल यह है कि पिछले बजटों का पूरा और प्रभावी उपयोग क्यों नहीं हो सका। उनका आरोप था कि सरकार 50 प्रतिशत से अधिक धनराशि भी प्रभावी ढंग से खर्च नहीं कर पाई, जो प्रशासनिक अक्षमता को दशार्ता है। सपा प्रमुख ने कहा कि यदि उत्तर प्रदेश को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तो राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) लगभग 90 लाख करोड़ रुपये के आसपास होनी चाहिए। मौजूदा दावों और वास्तविक आंकड़ों के बीच बड़ा अंतर है, जिससे सरकार की तैयारी और नीयत पर सवाल खड़े होते हैं। एमएसएमई क्षेत्र का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगभग 92 लाख इकाइयां हैं, जिनमें से 82 लाख अब तक पंजीकृत नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि एक दशक में इतनी बड़ी संख्या में इकाइयों का पंजीकरण क्यों नहीं हो पाया। उनका कहना था कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों और नीतिगत बदलावों का सीधा असर एमएसएमई और किसानों पर पड़ेगा, लेकिन बजट में इनके लिए ठोस रणनीति नजर नहीं आती। अखिलेश यादव ने युवाओं के रोजगार, निवेश के दावों, स्वास्थ्य सेवाओं और कानून-व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि कृषि विभाग में लगभग 57 प्रतिशत, स्वास्थ्य में 58 प्रतिशत और बेसिक शिक्षा में करीब 62 प्रतिशत बजट ही खर्च किया गया।

रायसेन में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से मचा हड़कंप, 1 की मौत, 25 लोग घायल

रायसेन: मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पलट जाने से एक महिला की मौत हो गई और करीब 25 लोग घायल हो गए।

पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह घटना जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर गढ़ी में मंगलवार शाम को हुई जब तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सोनल गुप्ता ने बताया कि गैरतगंज तहसील के आदिवासी ग्राम भिलाड़िया से आदिवासी समाज के 32 लोग मंगलवार की शाम को एक धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही गढ़ी पुलिस चौकी प्रभारी वीरेंद्र विश्वकर्मा पुलिस बल एवं अन्य सहयोगियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने सभी 25 घायलों को गैरतगंज सिविल अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि अयोध्या बाई (60) नामक एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल सात लोगों में चार नाबालिग शामिल हैं। गुप्ता ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली पर कुल 32 लोग सवार थे।

राहुल गांधी ने यूएस डील पर खड़े किये सवाल

व्यापार समझौते में सरकार ने देश को बेच दिया

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यह बराबरी की शर्त पर नहीं किया गया और सरकार को शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया है। उन्होंने केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया कि भारत-अमेरिका समझौते में देश के किसानों के हितों को कुचल दिया गया, जैसा आज से पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी कोई नहीं करेगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि बजट के समानानांतर अमेरिका के साथ व्यापार समझौता हुआ है। राहुल गांधी ने कहा, अमेरिका और चीन के बीच मुकाबले में सबसे महत्वपूर्ण बात भारत का डेटा है। अगर अमेरिका महाशक्ति बने रहना चाहता है और डॉलर की रक्षा करना चाहता है तो अमेरिकियों के लिए भारत का डेटा बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस नेता ने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि जनसंख्या त्रासदी है, लेकिन मैं कहता हूं कि यह ताकत है।श्री राहुल गांधी ने कहा कि अगर विपक्षी इंडिया गठबंधन की सरकार होती और व्यापार समझौते की बात करती तो हम अमेरिका के राष्ट्रपति से कहते कि आप के डॉलर की सुरक्षा करने की सबसे बड़ी पूंजी भारतीय लोगों के पास है। उन्होंने कहा, हम बराबरी पर बात करते। हम कहते कि आप ऐसे बात नहीं कर सकते कि हम आपके नौकर हैं। हम अमेरिकी राष्ट्रपति से यह भी कहते कि हम अपने ईंधन की रक्षा करने जा रहे हैं। हम यह भी कहते हैं कि आप अपने किसानों की रक्षा करेंगे, लेकिन हम भी अपने किसानों की रक्षा करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत को पाकिस्तान के बराबर नहीं खड़ा किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में शुल्क पहले तीन प्रतिशत के आसपास था, जो अब 18 प्रतिशत हो गया है यानी छह गुना बढ़ोतरी हो गई है। राहुल गांधी ने कहा, वहीं, अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क 16 प्रतिशत से शून्य कर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि अब यह होगा कि अमेरिका तय करेगा कि हम तेल किससे खरीदेंगे और भारत के प्रधानमंत्री मोदी फैसला नहीं करेंगे। उन्होंने दावा किया, हमारे किसान तूफान का सामना कर रहे हैं...आपने हमारे किसानों को कुचले जाने का रास्ता खोला है। आपसे पहले किसी प्रधानमंत्री ने ऐसा नहीं किया और आगे भी कोई प्रधानमंत्री नहीं करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समझौते में भारत को बेच दिया गया, मां (मदर) को बेच दिया गया, भारत माता को बेच दिया गया, जिस पर सरकार को शर्म आनी चाहिए।

यूपी बजट 2026 : मायावती ने दी प्रतिक्रिया, कहा- ये लोक लुभावन, सुर्खियां बटोरने की कोशिश ज्यादा

लखनऊ,: यूपी सरकार की ओर से वर्ष 2026-27 के लिए पेश किए गए बजट पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में आज पेश किया गया 2026-27 का बजट लोक लुभावना ज्यादा तथा जनता के वास्तविक उत्थान एवं प्रदेश में सर्वसमाज व सभी क्षेत्र के विकास का कम प्रतीत होता है। फिर भी जो घोषणाएं व आश्वासन आदि जनता को देने का प्रयास किया गया है, उसका सही से समयबद्ध तरीके से अमल जरूर हो ताकि ये केवल कागजी

न रह जाए।साथ ही पिछले वर्ष के बजट का जमीनी क्रियान्वयनों का सही डाटा देकर बजट भाषण की परंपरा को वाकई में ठोस व विश्वसनीय बनाया जाता तो यह उचित होता. जबकि वर्तमान बजट भी अखबारों की सुर्खियां बटोरने वाला ज्यादा प्रतीत होता है जिससे एक बार फिर लोगों को अपने 'अच्छे दिन' की उम्मीदों पर पानी फिर गया लगता है।उन्होंने आगे कहा कि वैसे भी उत्तर प्रदेश के लोगों को स्थाई आमदनी वाले रोजगार व्यवस्था का इंतजार बना हुआ है, जिसको लेकर गंभीरता एवं सक्रियता की आवश्यक है। इस सम्बंध में एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण पर भी सरकार का समुचित ध्यान देना जरूरी है। बैकलाग की भर्ती की भी जितनी जल्दी पूर्ति हो उतना बेहतर होगा। वैसे भाजपा सरकार अगर बसपा की चारों सरकार की तरह 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के संवैधानिक दायित्व को निष्ठा व ईमानदारी से निभाने का प्रयास करे तो यह देश व जनहित में उचित होगा। बजट भी इस दिशा में ही होना चाहिए अर्थात बजट वर्ग व क्षेत्र विशेष का हितकारी तथा खासकर करोड़ों गरीब एवं किसान-विरोधी ना होकर उनके जीवन सुधार का माध्यम हो तो यह सही होगा।

किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर गंभीर आरोप, स्पीकर के कक्ष में गली-गलौज का दावा

नयी दिल्ली : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के बीच संसद परिसर का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि उसके कई सांसद स्पीकर के कक्ष में पहुंचे और वहां उनके साथ गाली-गलौज की। रिजिजू के अनुसार, इस घटना से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ह्रगहरे आहत हैं। पत्रकारों से बातचीत में रिजिजू ने कहा कि उन्होंने स्वयं इस मामले पर स्पीकर से चर्चा की है और पूरी जानकारी ली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के 20 से 25 सांसद स्पीकर के कक्ष में गए और वहां अनुचित व्यवहार किया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और संसदीय मयार्दाओं के विपरीत है। उनके मुताबिक, करीब 20-25 कांग्रेस सांसद स्पीकर के कक्ष में पहुंचे और वहां उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के साथ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। रिजिजू ने यह भी दावा किया कि उस समय कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल भी वहां मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन नेताओं ने अपने सांसदों को शांत कराने के बजाय उन्हें और उकसाया। हालांकि, कांग्रेस की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रिजिजू ने कहा कि संसद में मतभेद और विरोध लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हैं, लेकिन व्यक्तिगत स्तर पर अपमानजनक व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं का अनादर बताया। इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में सदन के भीतर बोलने के अधिकार को लेकर विवाद भी सामने आया है। रिजिजू ने कहा कि स्पीकर द्वारा एक निर्णय दिए जाने के बावजूद उसका पालन नहीं किया गया।

10 साल की कानूनी लड़ाई के बाद रेलवे को मिली ऐतिहासिक जीत

नई दिल्ली,: भारतीय रेलवे को सुप्रीम कोर्ट से एक ऐतिहासिक और निर्णायक जीत मिली है। लगभग 10 वर्षों से चली आ रही कानूनी लड़ाई में शीर्ष अदालत ने रेलवे प्रशासन के अधिकारों पर लगी न्यायिक आपराधिक कार्यवाही को पूरी तरह खारिज किया। भारतीय रेल यातायात सेवा (आईआरटीएस) की वरिष्ठ अधिकारी प्रवीण गौड़ द्विवेदी से जुड़े इस मामले में आया फैसला न केवल रेलवे के संस्थागत हितों की रक्षा करता है, बल्कि भविष्य में रेलवे प्रशासनिक स्वायत्तता के लिए एक मजबूत कानूनी आधार भी तैयार करता है। बता दें कि मामले की शुरूआत 30 सितंबर, 2016 को हुई, जब अंबाला के तत्कालीन रेलवे मजिस्ट्रेट ने अंबाला मंडल की तत्कालीन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक प्रवीण गौड़ द्विवेदी को एक अनुरोध भेजा, जिसमें औचक जांच के लिए एक समर्पित टिकट चेकिंग दस्ता देने का अनुरोध किया गया था। मंडल में विशेष महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुए प्रवीन गौड़ द्विवेदी ने रेलवे मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि उस विशेष समय पर स्टाफ नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने एक हलफनामे के माध्यम से यह भी प्रस्तुत किया कि ₹ स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट दस्ते₹ के लिए किसी भी स्वीकृत पद के अस्तित्व में न होने के कारण अनुरोध संभव नहीं है। उन्होंने भारतीय रेलवे अधिनियम, 1989 का हवाला देते हुए यह भी बताया कि टिकट चेकिंग स्वाभाविक रूप से एक कार्यकारी कार्य है। जिसमें स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट (एसआरएम) चेक वाणिज्य विभाग के समन्वय से नियमानुसार नियोजित किए जाने चाहिए न कि न्यायपालिका द्वारा एकतरफा मांगे जाने चाहिए। ईपीसी की धाराओं के तहत शुरू की गई कार्यवाहीबता दें कि स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट ने टिकट चेकिंग दस्ता देने से इन्कार से अंसतुष्ट होकर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्विवेदी को कारण बताओ नोटिस जारी किया, जिसमें पूछा गया कि भारतीय दंड सहिता (क्छ्ळ) की धारा 186, 187 और 217 के तहत जोकि सरकारी कर्मचारियों द्वारा कार्य में बाधा डालने और निदेशों की अवज्ञा से संबंधित है, आपके विरूद्ध क्यों न कार्यवाही शुरू की जाए। मामला हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक द्विवेदी ने कानूनी लड़ाई जारी रखी। सुप्रीम कोर्ट में मिली जीत बता दें कि महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे, सचिव, रेलवे बोर्ड और प्रवीण गौड़ द्विवेदी ने सुप्रीम कोर्ट में एक स्पेशल लीव पेटिशन दायर की, जिसमें तर्क दिया गया कि यह कार्यवाही अपने अधिकार क्षेत्र में काम कर रहे एक ईमानदार अधिकारी को परेशान करने के बराबर है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णायक फैसले में निचली अदालतों के विवादित आदेशों को रद्द कर दिया और रेलवे अधिकारी के विरूद्ध चल रहे आपराधिक कार्यवाही को खत्म कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि यह एक ऐसा मामला है जहां रेलवे मजिस्ट्रेट अपने ही मामले में जज बनना चाहते हैं। अपीलकर्ता ने अपने अधिकारिक क्षमता से बाहर कोई काम नहीं किया था। शीर्ष अदालत का यह फैसला न केवल लगभग 10 वर्षों से मानसिक परेशानियां झेल रही भारतीय रेल यातायात सेवा (IRTS) की वरिष्ठ अधिकारी श्रीमती प्रवीण गौड़ द्विवेदी को बरी करता है बल्कि यह एक कानूनी मिसाल भी कायम करता है कि ₹स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट (रफ्ट) प्रशासनिक मांगों को लागू करने या कार्यकारी टिकट चेकिंग कार्यों की निगरानी के लिए अपराधिक कानून का हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकते। इस निर्णय से न केवल द्विवेदी को व्यक्तिगत न्याय मिला बल्कि रेलवे की कार्यप्रणाली, अनुशासन और प्रशासनिक स्वतंत्रता की जीत हुई। यह निर्णय भविष्य में किसी भी ईमानदार रेलवे अधिकारी को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय अनावश्यक न्यायिक दबाव से सुरक्षा प्रदान करेगा।

अंतर-नगरीय परिवहन की नई परिभाषाः भारत में तेज रफ्तार रेल गलियारे

गोरखपुर : भारत में तेज गति रेलः परिवहन के क्षेत्र का एक उभरता हुआ ढांचा भारतीय रेल विश्व की सबसे बड़ी रेल प्रणालियों में से एक है और लंबे समय से यात्री एवं माल ढुलाई का प्रमुख माध्यम रही है। क्षेत्रों को जोड़ने तथा लोगों और वस्तुओं की आवाजाही को सक्षम बनाकर इसने आर्थिक गतिविधियों, श्रम गतिशीलता और बाजारों, शिक्षा एवं सेवाओं तक पहुंच को समर्थन दिया है। समय के साथ, परिवहन मांग में वृद्धि के अनुरूप रेल नेटवर्क और उसकी वहन क्षमता का निरंतर विस्तार किया गया है। आवागमन की प्रकृति में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। तेज शहरीकरण, आय में वृद्धि, महानगरीय क्षेत्रों का विस्तार तथा प्रमुख आर्थिक क्लस्टरों के उभरने से लंबी दूरी और अंतर-शहरी यात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बदलाव के इन रुझानों को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने रेल विकास के लिए एक दीर्घकालिक और योजनाबद्ध दृष्टिकोण अपनाया है। इसका उद्देश्य केवल क्षमता विस्तार ही नहीं, बल्कि सेवा गुणवत्ता, विश्वसनीयता और गति में सुधार करना भी है। केंद्रीय बजट 2026झ27 में सात उच्च-गति रेल गलियारों की घोषणा, भारत की अंतर-शहरी परिवहन के विकासशील ढांचे में उन्नत रेल प्रणालियों और गलियारा-आधारित विकास की ओर एक स्पष्ट संकेत है। इसका उद्देश्य भविष्य-उन्मुख, परिवर्तनीय परिवहन समाधान उपलब्ध कराना है, जो यात्रियों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा कर सके और सतत आर्थिक वृद्धि को समर्थन दे। तेज गति की रेलः अवधारणा और भारत के लिए प्रासंगिकता उच्च-गति रेल (एच एस आर) से आशय उन यात्री रेल प्रणालियों से है, जिन्हें पारंपरिक रेल की तुलना में कहीं अधिक गति पर संचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है। ये प्रणालियां सामान्यतः समर्पित गलियारों पर संचालित होती हैं और उन्नत रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग, संचार एवं सुरक्षा प्रौद्योगिकियों से युक्त होती हैं, जिससे उच्च परिचालन दक्षता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। परिचालन की दृष्टि से, 250 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक गति पर चलने वाली रेल प्रणालियों को उच्च-गति रेल माना जाता है। उच्च-गति रेल प्रणाली, पारंपरिक एवं अर्ध-उच्च-गति रेल सेवाओं से बिल्कुल भिन्न होती हैं।

वंदे भारत जैसी सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों का किराया जापान से 9 गुना और चीन से 3 गुना सस्ता है

गोरखपुरः पिछले 11 सालों (2014-2025) के दौरान, देश के सभी ट्रांसपोर्ट सेक्टर में बहुत ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने/बढ़ाने का काम किया गया है। इस दौरान मुख्य इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में हुई तरक्की इस तरह हैः नेशनल हाईवे/एक्सप्रेसवे नेटवर्क में करीब 58,232 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे/एक्सप्रेसवे जोड़े गए हैं। रेलवे में करीब 35,000 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक जोड़े गए हैं। एयरपोर्ट - 90 चालू एयरपोर्ट जोड़े गए हैं। मेट्रो-मेट्रो नेटवर्क में 848 किलोमीटर लंबाई और 21 और शहर जोड़े गए हैं। इसलिए, इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ में बदलाव के हिसाब से मॉडल डिस्ट्रीब्यूशन भी बदल रहा है। नॉन-ए सी कोच (जनरल और स्लीपर कोच) - अनरिजर्व्ड कोच में सफर करने वाले पैसेंजर की डिमांड को पूरा करने के लिए, रेलवे ने जनरल क्लास में सफर करने वाले पैसेंजर के लिए सुविधाओं में काफी बढ़ोतरी की है। अकेले पिछले फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के दौरान, अलग-अलग लंबी दूरी की ट्रेनों में 1250 जनरल कोच इस्तेमाल किए गए हैं। मौजूदा फाइनेंशियल ईयर (दिसंबर 2025 तक) में, 767 कोच को परमानेंट बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया गया है। कम और मिडिल इनकम वाले परिवारों की ट्रैवल डिमांड को पूरा करने के लिए, इंडियन रेलवे ने अगले 5 सालों में 17,000 नॉन-ए सी कोच (जनरल/स्लीपर) बनाने का काम शुरू किया है। भारतीय रेल पर, नॉन-ए सी कोच का परसेंटेज लगभग 70 प्रतिशत है, नॉन-ए सी यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या भी बढ़ गई है। इसके अलावा, जो पैसेंजर अनरिजर्व्ड जगह लेना चाहते हैं, उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए, इंडियन रेलवे सस्ते सफर के लिए अनरिजर्व्ड नॉन-ए सी पैसेंजर ट्रेनें/मेमू/एमु वगैरह चलाती है, जो मेल/एक्सप्रेस सर्विस में मिलने वाली अनरिजर्व्ड जगह (कोच) के अलावा हैं।

सेफ्टी स्टार ऑफ द मंथ संरक्षा पुरस्कार प्राप्तकताओं के साथ महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर, अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल एवं अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने महाप्रबन्धक सभाकक्ष, गोरखपुर में 11 फरवरी, 2026 को संरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 04 कर्मचारियों को ह्यसेफ्टी स्टार ऑफ द मंथह्य घोषित कर नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। पुरस्कार प्राप्तकताओं में लखनऊ मंडल के शोहरतगढ़ स्टेशन पर कांटावाला के पद पर कार्यरत श्री बद्री विशाल दूबे ने 25 दिसम्बर, 2025 को गाड़ी संख्या 15009 के स्टेशन आगमन पर देखा कि गाड़ी की वाटरिंग पाइप प्लेटफॉर्म से रगड़ खाते हुए जा रही है, जिसकी सूचना श्री दूबे ने स्टेशन मास्टर को दी जिसके बाद गाड़ी को बढ़नी स्टेशन पर सुरक्षित किया गया। श्री दूबे की सूझबूझ एवं सतर्कता से एक संभावित दुर्घटना को होने से बचाया जा सका। वाराणसी मंडल के वाराणसी स्टेशन पर गाड़ी प्रबंधक/माल के पद पर कार्यरत श्री योगेन्द्र सिंह ने 07 दिसम्बर, 2025 को कार्य के दौरान प्लेटफार्म संख्या-01 पर पटरी टूटी हुई देखा जिसकी सूचना उन्होंने तत्काल स्टेशन मास्टर/वाराणसी को दिया। श्री सिंह की सजगता एवं तत्परता से एक सम्भावित दुर्घटना को रोका जा सका। वाराणसी मंडल के बनारस कोचिंग डिपो में तकनीशियन के पद पर कार्यरत श्री सर्वेश तिवारी ने 04 दिसम्बर, 2025 को गाड़ी संख्या 12559/60 के अनुरक्षण के दौरान यान संख्या 223648 में एयर स्प्रिंग में बैलोज से लीकेज एवं स्प्रिंग में प्रेशर कम पाया। आपने इसकी सूचना तत्काल अपने पर्यवेक्षक को दिया। पर्यवेक्षक द्वारा कोच को रेक से डिटैच कराया गया। श्री तिवारी की सतर्कता से रास्ते में सम्भावित डिटैचमेंट एवं विफलता को रोका गया, जिससे सम्भावित दुर्घटना को रोका जा सका। इज्जतनगर मंडल पर सीनियर सेक्शन इंजीनियर/रेलपथ, बदायूँ के अधीन ट्रैकमेंटेनर के पद पर कार्यरत श्री देवेन्द्र कुमार ने 31 दिसम्बर, 2025 को कार्य के दौरान सोरों यार्ड-मानपुर नगरिया के मध्य बाईं तरफ की रेल टूटी हुई देखा और तत्काल रेलपथ को संरक्षित एवं सुरक्षित करते हुए इसकी सूचना रेलपथ पर्यवेक्षक को दिया। श्री देवेन्द्र कुमार के सजगता व सतर्कता से एक सम्भावित दुर्घटना को रोका जा सका।

बैंक का बवाल अब जाति पर आया मैं ठाकुर हूं वाले वीडियो पर ऋतु का पलटवार मैं भी ब्राह्मण हूं

कानपुर। कानपुर के पनकी स्थित बैंक में कर्मचारियों के बीच का झगड़ा अब जातिगत बयानबाजी तक पहुंच गया है, जहां ठाकुर और ब्राह्मण की पहचान को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस जारी है। कानपुर के पनकी स्थित निजी बैंक में कर्मचारी विवाद अब जातिगत बयानबाजी तक पहुंच गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कथित रूप से मैं ठाकुर हूं कहने के बाद विवाद गहराता दिख रहा है। इस बयान पर ऋतु त्रिपाठी ने तीखा जवाब देते हुए कहा कि अगर वह ठाकुर हैं, तो मैं भी ब्राह्मण हूं। ऋतु का कहना है कि वह छह जनवरी को बैंक में इस्तीफा देने और रिलीविंग लेटर लेने

पहुंची थीं, लेकिन उन्हें अनावश्यक रूप से रोका गया। उनका आरोप है कि पूरे घटनाक्रम को गलत तरीके से पेश किया गया। वहीं आस्था की ओर से दावा किया गया कि उन्होंने किसी की जाति नहीं पूछी और न ही कोई अपशब्द कहा। दोनों पक्षों को लेकर सामने आई हैं तीखी प्रतिक्रियाएं उनका कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की जांच से सच्चाई स्पष्ट हो जाएगी। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर दोनों पक्षों को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। अब मामला बैंक प्रबंधन और संभावित कानूनी कार्रवाई की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का अनुभव भारत के भविष्य के हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के लिए एक मजबूत नींव रखता है

गोरखपुरः अभी, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट (508 किलोमीटर) जापान सरकार की टेक्निकल और फाइनेंशियल मदद से चल रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट एक ऊंचे वायडक्ट पर प्लान किया गया है और बनाया जा रहा है। कॉरिडोर पर स्टेशनों के डिजाइन में कंट्रोल्ड एंट्री पॉइंट, बैगेज स्कैनर, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर, क्लोज सर्किट टेलीविजन कैमरे वगैरह जैसे सिक्योरिटी उपाय दिए गए हैं। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रोजेक्ट से जो अनुभव और टेक्निकल क्षमताएं डेवलप हो रही हैं, खासकर ट्रैक कंस्ट्रक्शन, एडवांस्ड सिग्नलिंग, रोलिंग स्टॉक मैन्युफैक्चरिंग और मेंटेनेंस, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट वगैरह में, उनसे देश में भविष्य के हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एक मजबूत नींव मिलने की उम्मीद है। ऐसी एक्सपर्टीज मिलने से, भारत हाई स्पीड रेल सेक्टर में प्लानिंग और फैसले लेने में अपनी स्थिति मजबूत करेगा।

स्वदेशीकरण और कैपेसिटी बिल्डिंगः घरेलू हाई स्पीड रेल डिजाइन क्षमता को मजबूत करने के लिए, एनालिटिकल मॉडलिंग और फील्ड मेजरमेंट की मदद से, भारतीय वर्कशॉप में लंबे-स्पैन स्टील ट्रस गर्डर बनाए जा रहे हैं। फुल-स्पैन लॉन्चिंग के लिए इस्तेमाल होने वाली भारी कंस्ट्रक्शन मशीनरी को स्वदेशी बनाया गया है और अब इसे भारत में बनाया जा रहा है। ज्यादातर स्लैब ट्रैक मटीरियल और खास ट्रैक मशीनें भारतीय मैन्युफैक्चरर डेवलप और प्रोड्यूस कर रहे हैं, जिससे घरेलू मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ रही है। डिजाइन में बदलाव और डायनामिक एनालिसिस से जुड़ी डिटेल को भारतीय एजेंसियां ??क्क्ळ के साथ मिलकर संभाल रही हैं, जिसमें लंबे समय की ल्रफएक्सपर्टीज बनाने के लिए एडवांस्ड डायनामिक एनालिसिस टूल और डिजाइन चार्ट डेवलप किए गए हैं।

इनोवेशनः

40 मीटर प्रीस्ट्रेस्ड बॉक्स गर्डर (प्त1000 एम टी) लॉन्च करने के लिए भारत में पहली बार फुल-स्पैन लॉन्चिंग तरीका अपनाया गया, जिससे 16 घंटे के अंदर तेजी से लॉन्चिंग हो सकेगी। आस-पास रहने वालों के लिए शोर कम करने के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर पर स्वदेशी नॉइज बैरियर लगाए जा रहे हैं। ओ एच ई -पैंटोग्राफ इंटरैक्शन के लिए एडवांस्ड सिमुलेशन टूल्स और ट्रैक्शन पावर सप्लाई की डिजाइनिंग के लिए सिमुलेशन मॉडल, सटीक डिजाइन और प्लानिंग के लिए क्क्ळ दिल्ली के साथ मिलकर डेवलप किया गया। अंडरग्राउंड स्टेशन बनाया जा रहा है, जिसमें भविष्य में उसी फाउंडेशन पर 90 मीटर ऊंची बिल्डिंग बनाने का इंतजाम है। डिरेलमेंट के दौरान सेफ्टी बढ़ाने के लिए देश में ही डेवलप किया गया रेल टर्नओवर प्रिवेंशन डिवाइस पेश किया गया।

ट्रेनिंगः इंडियन इंजीनियर्स और स्किल्ड वर्कर्स (लगभग 1000) को जापानी मेथडोलॉजी की ट्रेनिंग दी गई है और अभी, ट्रैक का काम उनकी देखरेख में किया जा रहा है। ट्रेनिंग और रेगुलर रिफ्रेशर कोर्स के लिए सूरत में एक स्पेशल ट्रैक ट्रेनिंग फैसिलिटी बनाई गई है।

स्टेशनः

हाई स्पीड रेल स्टेशनों को लोकल पहचान दिखाने वाले सिटी गेटवे के तौर पर डिजाइन किया जा रहा है, जिसमें कंट्रोल्ड एंट्री पॉइंट, बैगेज स्कैनर, डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर और क्लोज्ड-सर्किट टेलीविजन सर्विलांस जैसे एडवांस्ड सिक्योरिटी फीचर्स हैं। सेफ्टी पर फोकस करने वाले डिजाइन में एंटी-वाइब्रेशन उपाय, स्टेशन की छतों में विंड-प्रेशर मैनेजमेंट और कंस्ट्रक्शन के दौरान एंटी-वाइब्रेशन हैंगर, क्लैंप और बोल्टिंग प्लेट जैसे इंतजाम शामिल हैं पैसेंजर की सुविधा को काफी पार्किंग, ड्रॉप-ऑफ एरिया और कोऑर्डिनेटेड सिटी मास्टर प्लानिंग के साथ आसान मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के जरिए पक्का किया गया है। इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के प्लैटिनम स्टैंडर्ड के हिसाब से सस्टेनेबल और एनर्जी बचाने वाले फीचर।

जियो-टेक्निकल जांचः स्ट्रक्चरल काफी है यह पक्का करने और जियोलॉजिकल सरप्राइज की संभावना को खत्म करने के लिए जियो टेक्निकल जांच पर ज्यादा जोर दिया गया है। आई जी टी आम तौर पर 100` पर और खास स्ट्रक्चर के मामले में कम गैप पर किया गया है। एक नई जियो टेक लैब भी बनाई

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

पैकोलिया। हरैया-बभनान मार्ग पर बैरिहवा पेट्रोल टंकी के पास वाहन के चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान सुनील कुमार वर्मा (30) पुत्र शिव कुमार वर्मा के रूप में हुई है। वह ग्राम दुबौली भार्गव जोत, पोस्ट मसकनवा, जनपद गोंडा का निवासी था। बताया जा रहा है कि सुनील अपनी बाइक से बहन की शादी का निमंत्रण रिश्तेदारी में देकर वापस अपने घर लौट रहा था। वह रात करीब 9 बजे बैरिहवा पेट्रोल टंकी के पास पहुंचा, तभी किसी वाहन की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू ने बताया कि परिवार को सूचना दे दी गई है।

दरोगा की बाइक के पीछे भटक रही पुलिस की जांच

बस्ती। परशुरामपुर थाने से लापता हुए दरोगा अजय गौड़ का सरयू नदी में शव मिलने के बाद उभरे हत्या और आत्महत्या के रहस्य से परदा उठाना पुलिस के लिए चुनौती बन गया है। सोमवार से ही इस मामले की जांच में पुलिस की पांच टीमें लगी हुईं हैं। सीसीटीवी फुटेज में दरोगा बाइक से सरयू पुल की तरफ जाते दिखे थे। बाद में बाइक अमहट घाट पर लावारिस मिली। अमहट घाट की तरफ भी सीसीटीवी में एक बाइक सवार जाते दिखा लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। बाइक सरयू घाट से अमहट तक कैसे पहुंची यह बड़ा सवाल बना हुआ है। थाने से दरोगा अजय गौड़ के लापता होने के बाद शुरूआती छानबीन में पुलिस अधिकारी यह कहते सुने जा रहे थे कि उन्हें सकुशल खोज लिया जाएगा। दरोगा के लापता होने के बाद अगले दिन उनकी बाइक एसपी आवास के पास अमहट घाट पर लावारिस हालत में खड़ी मिली थी इसलिए एहतियातन दो दिन शनिवार और रविवार को कुआनो नदी में एसडीआरएफ टीम की मदद से सर्च अभियान चलाया गया। रविवार की शाम चार बजे अचानक सर्च अभियान बंद हुआ तो लोगों को यह अंदाजा हो गया कि पुलिस को कोई पुख्ता जानकारी मिल चुकी है। उसी दिन शाम छह बजे पता चला कि लापता दरोगा अजय का शव अयोध्या के छावनी क्षेत्र में सरयू में उतराया मिला है। इसके बाद पुलिस टीम और दरोगा के परिजन भागकर अयोध्या पहुंचे।

किशोरी पर धारदार हथियार से हमला

बभनान। मामूली विवाद में किशोरी और उसके परिजनों को धारदार हथियार से मारकर घायल कर देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बभनान चौकी क्षेत्र के नगर पंचायत बभनान के वार्ड नंबर 5 लोहिया नगर निवासी विजय चौहान ने गौर पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि वार्ड निवासी रामनिवास व उनकी पत्नी निवास चौहान व उनके भाई अर्जुन चौहान ने हमारे घर पर चढ़कर ईंट, पत्थर, लाठी और धारदार हथियार से उन्हें और उनकी बेटी नंदिनी को मारापीटा है। पुलिस ने धारा 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीएचओ आयुष्मान कार्ड बनाने में लग

बस्ती। गौर ब्लॉक में स्वास्थ्य सेवाओं का बुरा हाल है। यहां मरीजों को ऑनलाइन व ऑफलाइन इलाज व जांच की सुविधा नहीं मिल रही है। आरोग्य मंदिर पर तैनात सीएचओ को गांव-गांव जाकर एएनएम, आंगनबाड़ी व आशा कार्यकताओं के साथ आयुष्मान कार्ड बना रहे हैं। इसके चलते केंद्र बंद रह रहे हैं। प्रत्येक सीएचओ को प्रतिदिन कम से कम 10 आयुष्मान कार्ड बनाने का टास्क दिया गया। ऐसे में आरोग्य मंदिर पर पहुंचने वाले मरीजों को लौटना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, गौर ब्लॉक के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की जनकल्याणकारी योजनाओं को झटका लग रहा है। यहां कुल 26 स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाये गए हैं। उप केंद्रों पर आशा व एएनएम की तैनाती की गई है। जहां जच्चा-बच्चा टीकाकरण अभियान, संचारी रोग के संबंध में लोगों को जागरूक किया जाता है।

लैबुडवा तालाब के चिह्नांकन, पार्क निर्माण की मांग

बस्ती। लैबुडवा तालाब के चिह्नांकन और पार्क के लिए रौतापार वार्ड नंबर 12 की सभासद मंजू श्रीवास्तव ने राज्यपाल को पत्र भेजा। पत्र में कहा है कि लैबुडवा तालाब का चिह्नांकन कर उसके जीर्णोद्धार, सुंदरीकरण और वहां पार्क बनाया जाए। इससे लोगों को टहलने में आसानी होगी। तालाब के चारों ओर कई मोहल्लों की घनी आबादी निवास करती है लेकिन बच्चों, महिलाओं, बहनों और बुजुर्गों के लिए टहलने, शारीरिक व्यायाम, खेलकूद या स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के लिए कोई व्यवस्थित स्थल उपलब्ध नहीं है।

मेधा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हाउस अरेस्ट

बस्ती। शिव हर्ष किसान पीजी कॉलेज के पूर्व छात्र नेता और मेधा पार्टी युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष रूद्र आदर्श पांडेय को पुलिस ने मंगलवार को हाउस अरेस्ट कर लिया। पुलिस को आशंका थी कि वह राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल की बस्ती यात्रा के दौरान काला झंडा दिखा सकते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर यूजीसी मामले में सवर्णों के साथ भेदभाव प्रकरण को लेकर राज्यपाल को ज्ञापन देने और काला झंडा दिखाने की चेतावनी दी थी। राज्यपाल के बस्ती से जाने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

कोर्ट के आदेश पर मारपीट के आरोप में एफआईआर

बस्ती। परशुरामपुर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मारपीट समेत अन्य धाराओं में तीन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की है। थानाक्षेत्र के लक्ष्मनपुर कुंवर निवासी अंशिका पुत्री रामउजागिर ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि पैसे के लेनदेन को लेकर विपक्षियों ने उन्हें जातिसूचक व अपशब्द कहे। विरोध करने पर मारापीटा। बीच-बचाव में आए माता-पिता को भी मारपीट कर जानमाल की धमकी दी। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर गांव के ही रहने वाले राजकुमार मौर्या, उर्मिला और ममता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच सीओ हरैया स्वर्णिमा सिंह को सौंपी गई है।

भव्यता के साथ निकलेगी शिव बरात

पुरानी बस्ती। पारंपरिक तरीके से इस बार भी नगर में शिवरात्रि पर भव्यता समेटे शिव बरात निकाली जाएगी। बरात दक्षिण दरवाजा, मंगल बाजार, करुआ बाबा स्थान, पांडेय बाजार सुर्तिहट्टा, काली यंदिर, हनुमान मंदिर होते हुए अन्नपूर्णा रसोई पहुंचेगी। यहां बरातियों व नगरवासियों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजक राघवेंद्र मिश्रा ने बताया कि यह आयोजन मातृशक्ति मंडल व अन्नपूर्णा रसोई की तरफ से किया जाता है। विष्णु गुप्ता, प्रशांत, हिमांशु को बरात की साज-सज्जा का दायित्व दिया गया।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पंडित दीनदयाल को दी श्रद्धांजलि

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा। इसमें सीएम योगी को पहुंचना था लेकिन वह कैबिनेट बैठक और उसके बाद बजट सत्र के चलते नहीं पहुंच पाए। इसके बाद कार्यक्रम को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संबोधित किया। उन्होंने कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को उत्तर प्रदेश सरकार साकार कर रही है। सीएम योगी की गैर मौजूदगी में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मेयर सुषमा खर्कवाल, पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया और भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यक्रम चारबाग स्थित पंडित दीनदयाल स्मृतिका वाटिका में आयोजित किया गया। सीएम कार्यक्रम में नहीं पहुंचे लेकिन उन्होंने अपने सरकारी आवास पर ही पंडित दीनदयाल के चित्र पर फूल चढ़ाए। सीएम योगी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य, एकात्म मानववाद के प्रणेता श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर आज लखनऊ में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

संक्षिप्त समाचार

कल आएंगे प्रभारी मंत्री सिलावट

ग्वालियर। जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट 12 फरवरी को ग्वालियर भ्रमण पर रहेंगे। अपने प्रवास के दौरान वे जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ओलावृष्टि से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। इसके साथ ही वे शहर में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन करेंगे तथा जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं राहत संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा करेंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किए जाने की भी संभावना है।

राहुल भैया आज आएंगे

ग्वालियर। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया 11 फरवरी को ग्वालियर-चंबल संभाग के दौरे पर रहेंगे। वह 11 फरवरी को सुबह वंदे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर आएंगे। इसके बाद पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, अजीत परमार, रघुवीर खरे, पूर्व विधायक प्रवीण पाठक, पूर्व मंत्री लाखन सिंह, बालेंदु शुक्ला, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, साहब सिंह गुर्जर, गोपाल परमार, राजेन्द्र सिंह नाती, ग्रामीण अध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, वासुदेव शर्मा, विवेक सिंह तोमर एवं योगेन्द्र सिंह के यहां जाएंगे। इसके बाद वह 12 फरवरी को मुरैना, 13 को भिण्ड एवं 14 को दतिया प्रवास पर रहेंगे।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री 13 को आएंगे

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने बताया कि कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खण्डेलवाल 13 फरवरी को राजधानी एक्सप्रेस से ग्वालियर आएंगे। इसके बाद वे 14 फरवरी को प्रातः दंदरौआ धाम के दर्शन करने जाएंगे। तत्पश्चात ग्वालियर व्यापार मेले में भारतीय व्यापार महोत्सव के स्टॉल का अवलोकन करेंगे। श्री जैन ने बताया कि 14 फरवरी को जीवाजी क्लब में लगने वाले दादी-नानी की रसोई में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सकारात्मक विमर्श से ही मजबूत होगा राष्ट्रः नवल शुक्ला

प्रमुख जन गोष्ठी आयोजित

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही प्रमुख जन गोष्ठियों का उद्देश्य सकारात्मक विमर्श के माध्यम से समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाना है। प्राचीन काल की तरह वर्तमान समय में भी कुछ शक्तियां नकारात्मक विचारों के माध्यम से देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए समाज को सतर्क रहकर सामाजिक समरसता बनाए रखना आवश्यक है।

यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के सह संपर्क प्रमुख नवल शुक्ला ने मंगलवार को राष्ट्रोत्थान न्यास के विवेकानंद सभागार में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शिवाजी नगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर संघचालक पवन चड्ढा ने की। श्री शुक्ला ने कहा कि समाज में उत्पन्न किसी भी समस्या का समाधान आपसी संवाद और सकारात्मक विमर्श से ही संभव है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में अपने कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना की थी। प्रारंभिक दौर में लोगों ने संघ की उपेक्षा की, बाद में विरोध भी किया, जिसके चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगाए गए, लेकिन स्वयंसेवकों ने साहस और दृढ़ता के साथ हर चुनौती का सामना किया।उन्होंने कहा कि वर्तमान में संघ की समाज में व्यापक स्वीकार्यता बढ़ी है और संघ विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रहित में कार्य कर रहा है। श्री शुक्ला ने पंच परिवर्तन के अंतर्गत सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व बोध, नागरिक शिष्टाचार और कुटुंब प्रबोधन को आत्मसात करने का आह्वान किया। वंदे मातरम् गान की प्रस्तुति व्याप्ति उमड़ेकर ने दी। कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह मनोज जुनेजा ने एवं आभार नगर संपर्क प्रमुख मुरली सविता ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आत्म बोध से सशक्त होगा देशः शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण करना है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब भारत आत्म विस्मृति का शिकार हुआ है, तब-तब देश पराधीन हुआ है। इसलिए समाज को आत्म बोध की आवश्यकता है। यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के गौ सेवा प्रमुख मधुसूदन शर्मा ने गुड़ा स्थित ओम शांति गार्डन में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्रसाल नगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर संघचालक वीरेंद्र सिंह कुशवाह ने की। श्री शर्मा ने संघ के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में संघ का कार्य देशभर में लगभग 83 हजार स्थानों पर संचालित हो रहा है। उन्होंने हिंदू समाज से संगठित होकर राष्ट्र को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं अतिथि परिचय उमेश शर्मा ने दिया। इस अवसर पर रामगोपाल धाकड़ ने एकल गीत प्रस्तुत किया, जबकि वंदे मातरम् गीत श्रीमती अर्चना द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरुण चौहान ने तथा आभार संजय गर्ग ने व्यक्त किया।

संघ कार्य ईश्वरीय कार्य, संस्कृति और मूल्यों से जुड़ना आवश्यकः सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है और समाज को अपनी संस्कृति एवं मूल जड़ों से जोड़े रखने का कार्य संघ निरंतर कर रहा है। यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने केशव नगर द्वारा गजराराजा स्कूल परिसर स्थित विद्या भारती कार्यालय में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। श्री सबनानी ने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को विश्व पटल पर स्थापित किया था। आज के समय में भी समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना अत्यंत आवश्यक है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी दिशा में कार्य कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता लश्कर जिला संघचालक सुनील पाठक ने की। इस अवसर पर केशव नगर संघचालक हीरालाल मंडेलिया भी मंचासीन रहे।

अभा भवभूति समारोह के आखिरी दिन संस्कृत विद्वानों को किया सम्मानित

ग्वालियर

कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह का समापन संस्कृत विद्वानों के सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ।

समापन अवसर पर देशभर से पधारे संस्कृत मनीषियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में देश के विभिन्न भागों से आए संस्कृत विद्वानों डॉ.अशोक विश्नोई, डॉ.हरेन्द्र भार्गव, डॉ.किरण आर्या एवं एकनारायण ने महाकवि भवभूति के साहित्य पर केन्द्रित अपने शोधपरक आलेखों का वाचन किया।

इस अवसर पर आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में देशभर से पधारे प्रतिष्ठित संस्कृत कवियों डॉ. ऋषिराज पाठक, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी हिमाचल प्रदेश, डॉ.सुज्ञान कुमार माहान्ति नई दिल्ली, एकनारायण पौडेल, डॉ.शिवानी शर्मा कुरुक्षेत्र, डॉ. विष्णु नारायण तिवारी, डॉ. विपिन द्विवेदी, डॉ. बालकृष्ण शर्मा एवं डॉ. वेदव्रत हरिद्वार ने अपनी सशक्त संस्कृत कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.ऋषि कुमार तिवारी ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का वृत्त कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन के निदेशक डॉ.गोविन्द दत्तात्रेय गन्धे ने प्रस्तुत किया, जबकि आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.जेएन. गौतम ने किया। समापन अवसर पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा अनेक संस्कृत विद्वानों डॉ. भगवत शरण शुक्ल (वाराणसी), डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति (नई दिल्ली), डॉ. बनमाली विस्वाल (प्रयागराज), डॉ. बालकृष्ण शर्मा, डॉ. सविता रस्तोगी, डॉ. कृष्णा जैन, डॉ. विकास शुक्ल, डॉ. वेदव्रत, डॉ. किरण आर्या, डॉ. शिवानी शर्मा, डॉ. ऋषि कुमार तिवारी, डॉ. विपिन द्विवेदी, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी, डॉ. ऋषिराज पाठक, डॉ. एकनारायण पौडेल सहित ग्वालियर व अन्य नगरों के अनेक विद्वानों को सम्मानित किया गया।

जीवाजी विवि में आईजीओटी कर्मयोगी प्रशिक्षण शुरू

काम को पूजा समझने वाला कर्मयोगी : कुलगुरु प्रो. आचार्य

ग्वालियर

कर्मयोगी वही होता है जो अपने कार्य को पूजा समझकर पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करता है। हमारा पद हमें महान नहीं बनाता, बल्कि हमारा कर्म ही हमारी वास्तविक पहचान है।

यह बात जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य ने कर्म योगी प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह में कही। इस अवसर पर उन्होंने सभी को अपने कार्य ईमानदारी से करने की सलाह देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सेवा, कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है।

मंगलवार को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल के नोडल अधिकारी मयंक भावनानी द्वारा जीवाजी विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य, कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार मिश्र सहित जीवाजी विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर सभी शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों का पंजीकरण अनिवार्य है। पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक को अपने कार्यक्षेत्र के अनुरूप कम से कम तीन कोर्स 14 फरवरी तक पूर्ण करने होंगे। इन पाठ्यक्रमों के पूर्ण होने के पश्चात प्राप्त प्रमाण-पत्र शासन को भेजे जाएंगे।

एमिटी में 350 लोगों की निःशुल्क रक्त शर्करा जांच

ग्वालियर

एमिटी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा निःशुल्क ब्लड ग्लूकोज (रक्त शर्करा) जांच एवं मधुमेह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभम सिंह ने बताया कि मधुमेह एक दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें शरीर इंसुलिन का पर्याप्त उत्पादन या सही उपयोग नहीं कर पाता, जिससे रक्त में शर्करा का स्तर असामान्य हो जाता है। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर वीके शर्मा एवं कुलगुरु प्रो. डॉ. आरएस तोमर ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में निर्माण श्रमिकों, सफाई एवं सुरक्षा कर्मचारियों, फैकल्टी सदस्यों और छात्र-छात्राओं सहित कुल 350 लोगों ने रक्त शर्करा की जांच करवाई। इस अवसर पर प्रो. डॉ. विकास थाडा, प्रो. डॉ. राघवेंद्र शर्मा, डॉ. रचना कट्ठल सहित एनएसएस स्वयंसेवक मौजूद रहे।

एस मल्लेशम अध्यक्ष और अरविंद बने मंत्री

ग्वालियर। भारतीय मजदूर संघ का तीन दिवसीय अखिल भारतीय अधिवेशन जगन्नाथपुरी, उड़ीसा में आयोजित किया गया। अधिवेशन के अंतिम दिन अखिल भारतीय कार्यकारिणी का चुनाव हुआ, जिसमें एस मल्लेशम को अध्यक्ष, सुरेंद्र पांडे को महामंत्री एवं अरविंद मिश्रा को मंत्री का दायित्व दिया गया। अधिवेशन में पांच प्रस्ताव पास किए गए, जिसमें श्रम कानून का बिना किसी अपवाद के सभी श्रमिकों पर सार्वभौमिक रूप से लागू करें और अंत्योदय को साकार करें। ठेका श्रमिकों के शोषण को खत्म करने के लिए कानून में बदलाव किया जाए। आंगनबाड़ी कर्मियों को शासकीय कर्मचारी घोषित करते हुए वेतन एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जाए। त्रिपक्षीय तंत्र को पुनर्जीवित कर उसे प्रभावी, व्यावहारिक एवं नियमित किया जाए। इसके साथ ही सभी स्तर की शासकीय जनरल भर्ती पर लगी रोक तुरंत हटाई जाए।

ट्रिपल आईटीएम में ऑनलाइन ठगी से बचने किया जागरूक

ग्वालियर

ट्रिपल आईटीएम में मोबाइल साइबर हमलों तथा उनसे बचाव विषय पर पांच दिवसीय शिक्षक अद्यतन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू के सहयोग से भारत सरकार की इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता परियोजना के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मोबाइल आधारित साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। संस्थान के निदेशक प्रो. श्रीनिवास सिंह के मार्गदर्शन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष प्रो. महुआ भट्टाचार्य के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विजयपाल सिंह राठौर ने किया। कार्यक्रम में मोबाइल दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन ठगी, क्यूआर कोड धोखाधड़ी, फिशिंग तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की उपयोगिता की सराहना की।

विद्युत पेंशनरों का धरना प्रदर्शन आज

ग्वालियर। विद्युत मंडल पेंशनरों को पेंशन की गारंटी एवं केन्द्र के समान महंगाई राहत की मांग को लेकर विद्युत मंडल पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा के प्रांतव्यापी आंदोलन के तहत 11 फरवरी बुधवार को वृत्त स्तर पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसी क्रम में ग्वालियर स्थित रोशनीघर के मुख्य द्वार पर विद्युत मंडल पेंशनर दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक धरना प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन उपरांत मुख्यमंत्री के नाम बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन ग्वालियर के कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश शर्मा ने विद्युत मंडल के सभी पेंशनरों से धरना प्रदर्शन में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश

ग्वालियर

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने मंगलवार को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13, 15 एवं 16 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की गई, जिसमें कई कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर निगमायुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यालय परिसरों में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नामांकन एवं संपत्तिकर वसूली की प्रगति की समीक्षा कर अधिक से अधिक संपत्तिकर वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को सार्थक एप पर नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश भी दिए।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष परांजपे का किया स्वागत

ग्वालियर

ग्वालियर प्रवास पर मंगलवार को आईं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी परांजपे का स्वागत रेलवे स्टेशन से भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन तक विभिन्न स्थानों पर किया गया। स्वागत समारोह भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नीलिमा शिंदे के नेतृत्व में हुआ।

इसी क्रम में वीर सावरकर मंडल द्वारा नदी गेट पर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर बंटी बघेल, करुणा सक्सेना, नीरू ज्ञानी, कविता सोनी, सारिका उपाध्याय, नंदिनी गणपुले, उमा कुशवाह, विद्या यादव, रेणु साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लंबित मांगों को लेकर जूडा ने खोला मोर्चा

एक माह में समाधान नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन

ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को जूडा अध्यक्ष डॉ. धुआराम गुर्जर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जूनियर डॉक्टरों ने महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया। जूडा ने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वह उग्र कदम उठाने को मजबूर होंगे।

जूडा अध्यक्ष ने बताया कि मध्य प्रदेश में कार्यरत जूनियर चिकित्सकों को दिल्ली, राजस्थान जैसे अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम स्टायपेंड दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पिछले वर्ष स्टायपेंड में प्रतिवर्ष छह प्रतिशत वृद्धि का जो आश्वासन दिया गया था, वह अब तक लागू नहीं किया गया है। अप्रैल 2025 से लंबित एरियर भी अभी तक जूनियर चिकित्सकों को नहीं मिला है, जिससे आर्थिक परेशानी बढ़ रही है।

इसके अलावा जूडा ने जोखिम भरे कार्य वातावरण को देखते हुए जूनियर चिकित्सकों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने की भी मांग की है। संगठन का कहना है कि लगातार ड्यूटी, आपातकालीन सेवाएं और संक्रमण का खतरा होने के बावजूद सुरक्षा और बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ ने चिकित्सकों की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि वे इस विषय में वरिष्ठ अधिकारियों एवं शासन को अवगत कराएंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान डॉ. पूजा रावत, डॉ. मोहक पाठक, डॉ. अजय सिंह राजपूत, डॉ. अंकित यादव, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. प्रियंका दीवान सहित बड़ी संख्या में जूनियर चिकित्सक उपस्थित रहे।

श्रीरंग का 'शिव राग' ओंकारेश्वर में 14 को

ग्वालियर। समग्र भारतीय कलाओं के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के प्रति समर्पित श्रीरंग संगीत एवं कला संस्थान के तत्वावधान में 'शिव राग' का आयोजन 14 फरवरी को ओंकारेश्वर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक अशोक आनंद ने बताया कि शिवरात्रि महापर्व के अवसर पर शंकर समारोह में श्रीरंग कलाकार पावन धाम ओंकारेश्वर में 'शिव राग' प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य कलाकारों के रूप में पं.उमेश कंपूवाले, नवनीत कौशल, रिषी जैन, गौरी पाण्डे, डॉ.विकास विपट, जयवंत गायकवाड़, विवेक जैन आदि शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए पूर्वाभ्यास जारी है।

संपादकीय

साइबर डकैती पर सख्ती

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों पर शीर्ष अदालत का सख्त रुख वक्त की जरूरत है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में 54 हजार करोड़ रुपये का डिजिटल फ्रॉड सीधे-सीधे डकैती है। साइबर ठगी खासकर डिजिटल अरेस्ट के जरिये उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जवाबदेह हितधारकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सीबीआई, बैंकों, आरबीआई की कोताही पर प्रश्न खड़े किए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन संस्थाओं ने लोगों के खून-पसीने की कमाई को बचाने के लिये समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाये हैं। कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में कतिपय बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट का कहना था कि यह कैसे संभव है कि बैंक अधिकारियों की नाक के नीचे साइबर ठग खाताधारकों का करोड़ों रुपया ठिकाने लगाने में कामयाब हो जाते हैं। कोर्ट ने आशंका जतायी कि इन साइबर ठगी में बैंक अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत हो सकती है। साइबर ठगी को सीधी डकैती की संज्ञा देते हुए अदालत ने कहा कि इस ठगी पर रोक के लिये केंद्र सरकार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर यानी एसओपी तैयार करे। इतना ही नहीं कोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य हितधारकों के लिये चार सप्ताह में एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया जाए। बैंकों की कारगुजारी पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने कहा कि बैंकों को अहसास होना चाहिए कि वे जनता के पैसों के ट्रस्टी हैं। उन्हें जनता के भरोसे को नहीं तोड़ना चाहिए। कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई कि आखिर कैसे साइबर ठगी के लाखों केस सामने आ रहे हैं। अकसर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि डिजिटल अरेस्ट व अन्य धोखाधड़ी के मामलों में करोड़ों रुपये साइबर अपराधी दूसरे खातों में डाल रहे होते हैं तो बैंक समय पर कार्रवाई क्यों नहीं करते? जबकि बैंकों के पास डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से होल्ड करने का भी अधिकार है। इसमें दो राय नहीं कि बैंकों के पास ऐसा सिस्टम होना जरूरी है, जिसके जरिये निगरानी हो सके कि कैसे किसी के खाते से निकाली गई बड़ी धनराशि जल्दी-जल्दी दूसरे खातों में हस्तांतरित हो रही है। निश्चित तौर पर बैंकों के सुरक्षा सिस्टम को तत्काल ऐसे मामलों में संज्ञान लेना चाहिए। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को रिजर्व बैंक के बाबत टिप्पणी करनी पड़ी कि साइबर ठगी के जरिये जिन खातों से पैसा ठिकाने लगाया जाता है, उस पर संबंधित बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। यह सवाल तार्किक है कि अब तक संबंधित बैंक हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहे हैं? इसमें दो राय नहीं कि यदि बैंक,पुलिस और अन्य एजेंसियां समय रहते तत्काल कार्रवाई करें तो लोगों के खातों में डकैती से हुए नुकसान को कम किया जा सकता है। वैसे एक साल में बाइस लाख साइबर ठगी की शिकायतें सामने आने के बाद कहना कठिन है कि सीबीआई और अन्य एजेंसियां साइबर ठगी के मामलों में तत्काल अंकुश लगा पाएंगी। वक्त की जरूरत है पुलिस व अन्य एजेंसियों को प्रशिक्षित करके इतना सक्षम बनाया जाए कि वे इन अपराधों की संख्या पर रोक लगा सकें। यह तभी संभव है जब देश का गृह मंत्रालय, केंद्रीय बैंक और टेलीकॉम अथॉरिटी मिलकर इस दिशा में तुरत-फुरत काम करें। इसके लिये जरूरी है कि पूरे देश में यथाशीघ्र एसओपी लागू किया जाए। जिसके लिये शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर ड्राफ्ट तैयार करने को कहा है। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि एक छोटे राज्य के सालाना बजट से अधिक करीब 54 हजार करोड़ रुपये की धनराशि साइबर डकैती से लूट ली गई है। जिसमें राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों की भूमिका बनी हुई है। आज देश के बुजुर्गों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों व भोले-भाले लोगों को जिस तरह साइबर ठगी का शिकार बनाया जा रहा है, उसके खिलाफ केंद्र सरकार को राज्य सरकार व अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है।

मोदी जी, कृपया कभी तो प्रधानमंत्री की तरह बोलिए

नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बने 12 साल पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन इतने वर्षों के दौरान का उनका एक भी ऐसा भाषण याद नहीं आता जो उन्होंने इस विशाल देश के प्रधानमंत्री की तरह दिया हो। अधूरा सच, सफेद झूठ, आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर गलत बयानी, तथ्यों की मनमाने ढंग से तोड़-मरोड़, परनिंदा, पूर्व प्रधानमंत्रियों के प्रति हिकारत का भाव, नए-नए शिगू$फे, स्तरहीन मुहावरे, राजनीतिक विरोधियों पर छिछले कटाक्ष, नफरत भरी सांप्रदायिक तल्खी, धार्मिक व सांप्रदायिक प्रतीकों का इस्तेमाल और भरपूर आत्म प्रशंसा! यही सब प्रमुख तत्व होते हैं प्रधानमंत्री मोदी के भाषण में। मौका चाहे देश में हो या विदेश में, संसद में हो या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर, चुनावी रैली हो या कोई और अवसर- हर जगह उनके भाषण में अहंकारयुक्त हाव-भाव के साथ यही सारे तत्व हावी रहते हैं।

अनिल जैन

राज्यसभा में उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देते हुए जो भाषण दिया, उसमें भी न तो न्यूनतम संसदीय मयार्दा और शालीनता का समावेश था और न ही पद की गरिमा व लोकतांत्रिक परंपरा की कोई झलक थी। स्थापित संसदीय परंपरा यह है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस का समापन करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण में उल्लेखित मुद्दों पर अपनी सरकार का नजरिया पेश करते हैं।

नेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बने 12 साल पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन इतने वर्षों के दौरान का उनका एक भी ऐसा भाषण याद नहीं आता जो उन्होंने इस विशाल देश के प्रधानमंत्री की तरह दिया हो। अधूरा सच, सफेद झूठ, आधी-अधूरी जानकारी के आधार पर गलत बयानी, तथ्यों की मनमाने ढंग से तोड़-मरोड़, परनिंदा, पूर्व प्रधानमंत्रियों के प्रति हिकारत का भाव, नए-नए शिगू$फे, स्तरहीन मुहावरे, राजनीतिक विरोधियों पर छिछले कटाक्ष, नफरत भरी सांप्रदायिक तल्खी, धार्मिक व सांप्रदायिक प्रतीकों का इस्तेमाल और भरपूर आत्म प्रशंसा! यही सब प्रमुख तत्व होते हैंप्रधानमंत्री मोदी के भाषण में। मौका चाहे देश में हो या विदेश में, संसद में हो या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर, चुनावी रैली हो या कोई और अवसर- हर जगह उनके भाषण में अहंकारयुक्त हाव-भाव के साथ यही सारे तत्व हावी रहते हैं। पिछले सप्ताह गुरूवार (5 फरवरी) को राज्यसभा में दिया गया भाषण भी इसका अपवाद नहीं रहा। वैसे तो मोदी को संसद के दोनों ही सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देना था, लेकिन लोकसभा में 4 फरवरी को उन्होंने भाषण नहीं दिया। ऐसा उन्होंने श्लोकसभा स्पीकर के कहने परश किया। स्पीकर ओम बिड़ला ने बेहद हास्यास्पद और शर्मनाक आशंका जताई थी कि प्रधानमंत्री अगर सदन में भाषण देने आएंगे तो कांग्रेस की कुछ महिला सांसद उन

पर हमला कर सकती हैं। स्पीकर की इस आशंका से वह प्रधानमंत्री डरकर सदन में नहीं आए, जिसने तीन साल पहले 10 फरवरी, 2023 को संसद में ही अपनी पीठ थपथपाते हुए बेहद फूहड़ अंदाज में कहा था, देश देख रहा है कि एक अकेला कितनों पर भारी पड़ रहा है। बहरहाल राज्यसभा में उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देते हुए जो भाषण दिया, उसमें भी न तो न्यूनतम संसदीय मयार्दा और शालीनता का समावेश था और न ही पद की गरिमा व लोकतांत्रिक परंपरा की कोई झलक थी। स्थापित संसदीय परंपरा यह है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बहस का समापन करते हुए प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण में उल्लेखित मुद्दों पर अपनी सरकार का नजरिया पेश करते हैं। इसी क्रम में वे बहस के दौरान विपक्ष के आरोपों और आलोचनाओं का भी जवाब देते हैं। मोदी ने बतौर प्रधानमंत्री ऐसा कुछ नहीं किया। अपने स्वभाव के अनुरूप उन्होंने इस गंभीर मौके पर भी एक मोहल्ला स्तर के नेता की तरह चुनावी भाषण दिया।

कुछ साल पहले फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा था कि श्देश को असली आजादी तो 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही मिली है।श कंगना की इस बात पर खुश होकर मोदी ने उन्हें सांसद बनवा दिया और गुरूवार को राज्यसभा में कंगना द्वारा कही बात की तर्ज पर ही यह जताने की कोशिश की कि देश ने जो कुछ तरक्की की है, वह उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद की ही है। उन्होंने कहा कि उनसे पहले जितने प्रधानमंत्री हुए उनमें किसी के पास देश को लेकर न तो कोई सोच थी, न कोई दृष्टि और न ही इच्छाशक्ति। उन्होंने देश को बर्बाद करके रखा हुआ था। उन्होंने कहा, श्मैं देशवासियों का आभारी हूं कि उन्होंने हमें सेवा का अवसर दिया।

हमारी काफी शक्ति उनकी (पूर्व प्रधानमंत्रियों की) गलतियों को ठीक करने में लग रही है। उनके समय जो देश की छवि बनी थी, उसे धोने में मेरी ताकत लग रही है। देश के पहले पीएम जवाहरलाल नेहरू की आलोचना व निंदा करने का तो मोदी पर मानो जुनून सवार रहता है और इस सिलसिले में जो मुंह में आता है वह बोल जाते हैं। ऐसा करने में वे इस बात की भी परवाह नहीं करते कि उनकी अशोभनीय गलतबयानी से देश-दुनिया में उनकी खिल्ली उड़ेगी और लोग उनकी पढ़ाई-लिखाई व उनकी मानसिक स्थिति पर सवाल उठाएंगे। राज्यसभा में दिए अपने भाषण में भी मोदी ऐसा करना नहीं भूले। इस सिलसिले में उन्होंने इंदिरा गांधी के ईरान में दिए गए एक भाषण के हवाले से कहा कि, श्जवाहरलाल नेहरू के समय देश की जनसंख्या 35 करोड़ थी और नेहरू कहते थे कि मेरे सामने 35 करोड़ समस्याएं हैं।श इसी तरह इंदिरा गांधी के समय देश की जनसंख्या 57 करोड़ थी और इंदिरा जी ने कहा था कि, श्मेरे सामने 57 करोड़ समस्याएं हैं।श मोदी का यह बताना या तो उनकी क्षुद्रता का परिचायक है या फिर उनकी नासमझी का। यह उनके भाषण के नोट्स बनाने वाले नौकरशाहों की शरारत भी हो सकती है कि उन्होंने मोदी को गलत नोट्स बनाकर थमा दिए हों जिन्हें मोदी ने संसद में पढ़ दिए। दरअसल नेहरू से जब किसी विदेशी पत्रकार ने पूछा था कि श्आपके सामने कितनी समस्याएं हैंश, तो नेहरू ने कहा था कि देश के 35 करोड़ लोगों की समस्याएं मेरी समस्या हैय और इसी तरह इंदिरा गांधी ने कहा था कि देश के 57 करोड़ लोगों की समस्याओं को मैं अपनी समस्या मानती हूं। प्रधानमंत्री अपने भाषण का स्तर गिराने में यहीं नहीं ठहरे। इससे भी नीचे उतरते हुए उन्होंने कहा कि श्गोरी करना नेहरू-गांधी परिवार का पुश्तैनी धंधा है, जिन्होंने एक गुजराती महात्मा गांधी का सरनेम तक चुरा लिया।श वैसे अव्वल तो कोई क्या सरनेम लगाता है, यह बहस का विषय नहीं हो सकता और संसद में तो कतई नहीं, फिर भी अगर मोदी को इसका शौक है तो उन्हें इस बारे में बोलने से पहले यह जान लेना चाहिए कि गांधी सरनेम किसी जाति या संप्रदाय विशेष में नहीं होता है बल्कि यह इत्र-फुलेल से जुड़े व्यवसाय से ताल्लुक रखता है। यह सरनेम सिर्फ वैश्य वर्ग में ही नहीं बल्कि मुस्लिम, सिख, पारसी आदि समुदायों में भी होता है। मोदी ने यह सिलसिला सिर्फ चुनावी सभाओं तक ही सीमित नहीं रखा है। संसद में, संसद के बाहर विभिन्न मंचों पर और यहां तक कि विदेशों में भी वे विपक्षी नेताओं पर निजी हमले और अपमानजनक बातें करने से नहीं चूकते हैं। फिर, विपक्ष शासित राज्यों के प्रति उनकी सरकार के भेदभावपूर्ण व्यवहार ने भी केंद्र और राज्यों के बीच खटास पैदा कर दी है।

दरअसल विरोधी दलों और उनके नेताओं के प्रति मोदी की अपमानजनक बातें शुरू में जरूर अटपटी लगती थीं। चूंकि भाजपा और मोदी ने काफी बड़ी जीत हासिल की थी, इसलिए विपक्षी नेताओं ने उनकी ऐसी बातों को यह सोचकर बर्दाश्त किया कि जीत की खुमारी उतर जाने पर प्रधानमंत्री राजनीतिक विमर्श में सामान्य राजनीतिक शिष्टाचार और भाषायी शालीनता का पालन करने लगेंगे। जब ऐसा नहीं हुआ और लगने लगा कि यही मोदी की स्वाभाविक राजनीतिक शैली है और वे बदलने वाले नहीं हैं, तब विपक्षी नेताओं के सब्र का बांध टूटा और उसमें सारी राजनीतिक शालीनता और मयार्दा बहती चली गई।

देश की सुरक्षा और सच-झूठ की परीक्षा

एक तरफ सरकार का दावा है कि यह किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है। दूसरी तरफ राहुल गांधी इस किताब की प्रति पिछले हफ्ते ही संसद में लेकर आ गए थे और उन्होंने कहा था कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह किताब देंगे, ताकि वे खुद उन बातों और तथ्यों को पढ़ सकें, जिन्हें लोकसभा में पढ़ने से राहुल गांधी को रोका गया। लेकिन नरेन्द्र मोदी इसके बाद लोकसभा में पहुंचे ही नहीं और न ही राहुल गांधी से उनका सामना हुआ। हालांकि यह एक अच्छा मौका नरेन्द्र मोदी के पास था, जब वे एक साथ अपनी देशभक्ति, बहादुरी और 56 इंची सीने की सच्चाई देश-दुनिया को दिखा देते। राहुल गांधी का कहना है कि नरेन्द्र मोदी एक किताब से डर गए, क्योंकि इसमें चीन के घुसपैठिया अभियान की हकीकत बयां की गई है। श्री मोदी चाहते तो राहुल गांधी से ये किताब लेकर साबित कर देते कि वे डरे हुए नहीं हैं और जो कुछ उस किताब में लिखा है उसे भी पढ़ लेते। अगर कुछ गलत लिखा है तो उसकी सच्चाई बता देते, इससे उनका ही हाथ ऊंचा होता। लेकिन बजाए इतना सीधा सा काम करने के, अब इस मामले को कानूनी पचड़े में उलझा दिया गया है। अब पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब की सॉफ्ट कॉपी के ऑनलाइन प्रसारित होने पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है, श्हमने सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म पर जानकारी मिलने पर जांच शुरू की। किताब पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा तैयार की गई लगती है, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने से यह अभी अप्रकाशित है।

पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब श्फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनीश पर सियासी घमासान अब सच और झूठ की परीक्षा में तब्दील हो चुका है। एक तरफ सरकार का दावा है कि यह किताब प्रकाशित ही नहीं हुई है। दूसरी तरफ राहुल गांधी इस किताब की प्रति पिछले हफ्ते ही संसद में लेकर आ गए थे और उन्होंने कहा था कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यह किताब देंगे, ताकि वे खुद उन बातों और तथ्यों को पढ़ सकें, जिन्हें लोकसभा में पढ़ने से राहुल गांधी को रोका गया। लेकिन नरेन्द्र मोदी इसके बाद लोकसभा में पहुंचे ही नहीं और न ही राहुल गांधी से उनका सामना हुआ। हालांकि यह एक अच्छा मौका नरेन्द्र मोदी के पास था, जब वे एक साथ अपनी देशभक्ति, बहादुरी और 56 इंची सीने की सच्चाई देश-दुनिया को दिखा देते। राहुल गांधी का कहना है कि नरेन्द्र मोदी एक किताब से डर गए, क्योंकि इसमें चीन के घुसपैठिया अभियान की हकीकत बयां की गई है। श्री मोदी चाहते तो राहुल गांधी से ये किताब लेकर साबित कर देते कि वे डरे हुए नहीं हैं और जो कुछ उस किताब में लिखा है उसे भी पढ़ लेते। अगर कुछ गलत लिखा है तो उसकी सच्चाई बता देते, इससे उनका ही हाथ ऊंचा होता। लेकिन बजाए इतना सीधा सा काम करने के, अब इस मामले को कानूनी पचड़े में उलझा दिया गया है। अब पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब की सॉफ्ट कॉपी के ऑनलाइन प्रसारित होने पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है, श्हमने सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म पर जानकारी मिलने पर जांच शुरू की। किताब पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा तैयार की गई लगती है, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने से यह अभी अप्रकाशित है। स्पेशल सेल में एफआईआर दर्ज की गई है और जांच चल रही है। गौरतलब है कि किताब में जनरल नरवणे ने लिखा है कि 2020 में गलवान घाटी में चीन के साथ टकराव के दौरान जब उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एनएसए अजीत डोभाल और अन्य नेताओं को जानकारी दी कि, चीनी टैंक आ रहे हैं, तो लंबे समय तक कोई सीधा जवाब नहीं मिला। करीब ढाई घंटे बाद प्रधानमंत्री मोदी का संदेश आया-जो उचित समझो, वो करोश। राहुल गांधी इसी पर सरकार से जवाब चाह रहे हैं। हालांकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा, मुझे यकीन है कि यह किताब कभी प्रकाशित नहीं हुई।श उन्होंने राहुल गांधी से कहा, जो किताब का दावा कर रहे हैं, उसे सदन में पेश करें, हम देखना चाहते हैं। सरकार द्वारा ऐसी किसी किताब के छपे होने के दावे को खारिज किए जाने के बाद राहुल गांधी ने 4 फरवरी को संसद परिसर में किताब की प्रकाशित प्रति दिखाई और पत्रकारों से कहा, देखिए, किताब है, सरकार कह रही है कि किताब नहीं है। बता दें कि फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी जनरल एमएम नरवणे की आत्मकथा है। जनरल नरवणे दिसंबर 2019 से अप्रैल 2022 तक सेना प्रमुख रहे। किताब में उनकी 40 साल की सेवा, सिक्किम में चीन से पहला आमना-सामना, गलवान संघर्ष, पाकिस्तान के साथ सीजफायर आदि का जिक्र है। किताब 448 पेज की है और अप्रैल 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन रक्षा मंत्रालय की मंजूरी नहीं मिली। अमेजन और फ्लिपकार्ट पर अभी उपलब्ध नहींश लिखा था। बहरहाल, दिल्ली पुलिस अब इस मामले की जांच-पड़ताल में करेगी कि आखिर यह किताब पीडीएफ फॉर्मेट में ऑनलाइन लोगों तक कैसे पहुंच रही है। किताब को प्रकाशित करने की जरूरी मंजूरी रक्षा मंत्रालय से अभी नहीं मिली है। इसलिए यह लीक या सुरक्षा नियमों का उल्लंघन माना जा रहा है। ऐसा लग रहा है मानो दिल्ली पुलिस के पास और कोई जरूरी काम बचे ही नहीं है। हालांकि सोमवार को ही कम से कम पांच हत्याओं के मामले दिल्ली में घटित हुए हैं, इसके अलावा चोरी, छीना-झपटी, झगड़े-फसाद, लड़कियों की सुरक्षा जैसे अनगिनत मामले हैं, जिन्हें संभालने या कम करने के लिए पुलिस बल की जरूरत होती है। मगर इन सबको छोड़कर अमित शाह के गृह मंत्रालय ने अपनी पुलिस को इस काम में लगाया है कि किताब का पीडीएफ लोगों तक कैसे पहुंच रहा है। इस बीच किताब के प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की भी सफाई आई है। पेंगुइन प्रकाशन ने कहा है कि इस किताब के प्रकाशन का अधिकार केवल उसके पास है और यह पुस्तक अब तक प्रकाशित नहीं हुई है। लेकिन सोशल मीडिया पर 2023 में मनोज नरवणे का लिखा एक ट्वीट भी सामने आ गया है, जिसमें वे अपनी किताब के प्रकाशन की जानकारी दे रहे हैं और ऑनलाइन बुक करने का आग्रह भी कर रहे हैं। मंगलवार को राहुल गांधी ने यही ट्वीट पत्रकारों को सुनाया भी और साफ कहा है कि या तो मनोज मुकुंद नरवणे झूठ बोल रहे हैं या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मुझे नहीं लगता कि पूर्व आर्मी चीफ झूठ बोलेंगे।

मोदी-शाह के दौरों के बावजूद भगवा पार्टी का मनोबल अधिक मजबूत नहीं हुआ

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्राय: बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्यअपनाह्न क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

तीर्थंकर मित्रा

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को हराने की बात कहना भाजपा के लिए जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है, भले ही भाजपा नेता इस साल अप्रैल-मई में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बनाने की बात कर रहे हों। पूरी कोशिश करने के बावजूद लगातार लोकसभा और विधानसभा चुनावों में जीत हासिल करने में नाकाम रहने के बाद, भगवा पार्टी की 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतने की उम्मीदें सत्ता विरोधी भावना, पूरे बंगाल में हिंदू एकजुटता, और टीएमसी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाली कहानी पर टिकी हैं। इन मुद्दों के आधार पर, इस चुनावी राज्य में भाजपा का प्रचार टीएमसी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करिश्मे और उनकी सरकार के उन लोकप्रिय परियोजनाओं के खिलाफ होगा, जिनसे उन्हें चुनावी फायदा हुआ था। टीएमसी के इन चुनावी प्लेटफॉर्म से पार पाना भगवा खेमे के लिए अब तक की सबसे मुश्किल चुनावी परीक्षा होगी। टीएमसी नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाना भाजपा के लिए सबसे अच्छा दांव लगता है क्योंकि वह चुनाव प्रचार शुरू करने वाली है। रुपये के बदले नौकरी देने का आरोप और टीएमसी के पूर्व महासचिव और शिक्षा मंत्री पार्थ चट्टोपाध्याय के साथी के घर से मिले नकदी के बंडल और आरजीकार मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल की एक लेडी डॉक्टर के बलात्कार और उसकी हत्या ने टीएमसी नेतृत्व को मुश्किल में डाल दिया है। इसके साथ ही, भगवा खेमे की नजर सत्ताविरोधी कारक और हिंदू वोटों के एकजुट होने पर है। सत्ताविरोधी कारक इसलिए बेअसर है क्योंकि राज्य के भगवा खेमे के पास ऐसा कोई नेता नहीं है जिसे मुख्यमंत्री के चेहरे के तौर पर पेश किया जा सके। भगवा खेमे का हिंदू वोटों का समीकरण सही नहीं है। हो सकता है कि समुदाय सत्ताधारी सरकार से खुश न हो, लेकिन इसके भाजपा को एक साथ वोट देने की उम्मीद कम है। हालांकि विपक्ष के नेता, शुभेंदु अधिकारी अब तक के सबसे लोकप्रिय और दिखने वाले भाजपा नेता हैं, लेकिन उनके अपने खेमे में भी उनके विरोधी हैं। राज्य के कई वरिष्ठ नेताओं ने राष्ट्रीय नेतृत्व को बताया है कि वे तब से भाजपा में हैं जब शुभेंदु तृणमूल में थे और ममता बनर्जी के खास सिपहसालार थे। इसके अलावा,

टीएमसी संगठन के मामले में भाजपा से बहुत आगे है। तृणमूल के सांगठनिक नेटवर्क ने पार्टी को संभाला, भले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले भी राज्य में आए हों और चुनावी माहौल को और गरमाया हो। हालात ऐसे हो गए हैं कि भगवा खेमा अपनी सांगठनिक कमजोरी को ठीक करने के लिए राज्य से किसी नेता को नहीं ला सका। इसने पिछले सितंबर में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को प्रभारी चुना और उन्हें पार्टी को चुनाव के लिए तैयार करने का काम सौंपा। केंद्रीय नेतृत्व के इस आदमी ने पार्टी के जमीनी नेटवर्क को मजबूत करना शुरू कर दिया। लेकिन राज्य के भगवा खेमे के सूत्रों ने बताया कि यादव को उन्हें दिए गए काम के लिए समय काफी नहीं लगा। सूत्रों ने बताया कि राज्य भाजपा के पास बूथ लेवल के इतने कार्यकर्ता नहीं हैं जिनकी मौजूदगी या गैरमौजूदगी मतदान के दिन किसी उम्मीदवार की जीत या हार तय कर सके। अगर ये कार्यकर्ता 2021 के विधानसभा चुनाव में मतदान के दिन बाहर रहते तो भगवा खेमे में विधायकों की संख्या और ज्यादा होती। इस बीच, तृणमूल प्रमुख अपनी 2021 की रणनीति को जारी रखते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को श्बाहरी्य कहती रही हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) की पृष्ठभूमि में, पश्चिम बंगाल में चुनाव के समय कोई भी श्बाहरीश का टैग नहीं लगवाना चाहता। गुमशुदा लोगों ने पहले ही भाजपा के विधायकों की संख्या कम कर दी है। ममता बनर्जी का करिश्मा और टीएमसी की लगातार तीन जीत आने वाले चुनावों में भगवा खेमे के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने के लिए बहुत से लोगों को उत्सुक नहीं करेंगी। एसआईआर को लेकर चिंता और मतुआ समुदाय में भाजपा नेतृत्व में फूट आने से आने वाले चुनाव में भाजपा को भारी नुकसान हो सकता है। भाजपा सांसद और केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर और उनके भाई, भाजपा विधायक सुब्रत ठाकुर के बीच सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ है। मतुआ पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में फैला एक दलित धार्मिक ग्रुप है, जिसके भारी समर्थन की वजह से 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को शानदार नतीजे मिले थे। वे भगवा खेमे और उसके कार्यनिष्पादन की मजबूती रहे हैं, हालांकि इस बात पर शक है कि इसे दोहराया जा सकेगा। भगवा खेमे के लोकप्रिय नेता बहुत ज्यादा अगर-मगर पर निर्भर लग रहे हैं। राज्य भाजपा के कुछ बड़े नेताओं को लगता है कि कई मुस्लिम ग्रुप टीएमसी की नाकामी से नाखुश हैं, जो उन्हें अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) की लिस्ट से बाहर होने से नहीं रोक पाई, इस बार भाजपा को वोट देंगे। लेकिन इस सोच के चक्कर में, इन नेताओं ने अल्पसंख्यक समुदाय के कई वर्गों को बाहरी और घुसपैठिए बताने की अपनी ही बात को नजरंदाज कर दिया है।

सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रदेश अग्रसरः सुरेश खन्ना

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्तीय वर्ष 2026-2027 का बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार के पिछले और वर्तमान कार्यकाल में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण, अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार, औद्योगिक निवेश, रोजगार सृजन, महिला सशक्तीकरण, युवाओं के कौशल विकास, किसानों की खुशहाली और गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। वित्त मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-2025 के त्वरित अनुमान के अनुसार प्रदेश की जीएसडीपी 30.25 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,09,844 रुपये आकलित हुई है, जो वर्ष 2016-2017 की प्रति व्यक्ति आय 54,564 रुपये के मुकाबले दोगुने से अधिक है। वर्ष 2025-2026 में प्रति व्यक्ति आय 1,20,000 रुपये होने का अनुमान है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार लगभग 6 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से ऊपर उठाने में सफल रही है और बेरोजगारी दर घटकर 2.24 प्रतिशत रह गई है।

कोई 500 तो कोई 250 साल, ये हैं भारत के सबसे पुराने वटवृक्ष

देशभर में कुछ ऐसे वटवृक्ष हैं जो सैकड़ों वर्षों से खड़े हैं और आज भी पूरी भव्यता के साथ मौजूद हैं। आइए जानते हैं भारत के कुछ सबसे पुराने और प्रसिद्ध वटवृक्षों के बारे में। 26 मई को 2025 को वट सावित्री की पूजा की जाएगी। इस पर्व पर सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु की कामना के साथ वट सावित्री व्रत करती हैं। इस दौरान वह वट वृक्ष यानी बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। कच्चे धागा या सूत बांधकर बरगद के पेड़ की परिक्रमा करती हैं। मान्यता है कि बरगद के पेड़ पर ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों भगवान का वास होता है। इसलिए इसकी पूजा करने से त्रिदेव का आशीर्वाद मिलता है। बरगद का पेड़ भारत में सिर्फ एक वृक्ष नहीं बल्कि आस्था, आयुर्वेद और पर्यावरण का प्रतीक है। देशभर में कुछ ऐसे वटवृक्ष हैं जो सैकड़ों वर्षों से खड़े हैं और आज भी पूरी भव्यता के साथ मौजूद हैं। आइए जानते हैं भारत के कुछ सबसे पुराने और प्रसिद्ध वटवृक्षों के बारे में।

नैनीताल में 200 साल पुराना बरगद का पेड़

उत्तराखंड में नैनीताल के पास लगभग 200 साल पुराना बरगद का पेड़ है। किसी हिल स्टेशन पर इतने पुराने वटवृक्ष का होना दुर्लभ है। नैनीताल घूमने आने वाले लोग जब इस वटवृक्ष की मजबूत और लंबी भुजाओं को देखते हैं तो उन्हें इसकी ऐतिहासिकता और महत्व का आभास होता है।

गुजरात में वड तालुका वटवृक्ष

गुजरात के आनंद जिले के पास वड तालुका नाम का वटवृक्ष मौजूद है। इस वटवृक्ष की आयु लगभग 300 वर्ष बताई जाती है। इतना प्राचीन होने के कारण यह पेड़

स्थानीय समुदाय के लिए आध्यात्मिक केंद्र के रूप में माना जाता है। वट सावित्री पूजा पर यहां विशेष आयोजन होता है।

प्रयागराज में अक्षयवट

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में संगम तट पर प्राचीन बरगद का पेड़ है। यहां के वटवृक्ष को अक्षयवट कहा जाता है, जो अनादिकाल से मौजूद माना जाता है। मान्यता है कि इस पेड़ के दर्शन मात्र से ही पाप समाप्त हो जाते हैं।

पश्चिम बंगाल का ग्रेट बनयान ट्री

पश्चिम बंगाल में आचार्य जगदीन चंद्र बोस बोटैनिकल गार्डन में ग्रेट बनयान ट्री है। इस बरगद के पेड़ की आयु लगभग 250 साल बताई जाती है। यह पेड़ अपनी जड़ों के फैलाव के कारण किसी जंगल जैसा प्रतीत होता है। यह बरगद का पेड़ लगभग 3.5 एकड़ भूमि पर फैला हुआ। यह पेड़ इतना फैला है कि इसके अंदर सड़कों और रास्तों का जाल बना हुआ है।

आंध्र प्रदेश का थिमम्मा मरिमानु

आंध्र प्रदेश में बेहद प्राचीन बरगद का पेड़ है। यह पेड़ अनंतपुर जिले के गुटी मंडल में स्थित है। इस पेड़ की आयु 550 साल से अधिक बताई जाती है। कहते हैं कि यह दुनिया के सबसे बड़े वटवृक्षों में से एक है। यह एक ही पेड़ लगभग 5 एकड़ जमीन पर फैला है। कहा जाता है कि जहां यह पेड़ उगा, वहां थिमम्मा नामक महिला ने सती होकर जान दी थी।

शुरू हुआ बारिश का सिलसिला, ऐसी जगहों पर जाने से बचें

इस लेख में उन जगहों के बारे में बताया जा रहा है, जहां मानसून में जाने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं कि मानसून में सफर की योजना बना रहे लोग कहां बिल्कुल न जाएं और इसकी क्या वजह होती है। बारिश का मौसम सफर को रोमांचक बना सकता है लेकिन इसके साथ कुछ जोखिम भी जुड़े होते हैं। ऐसे में मानसून में यात्रा करने की योजना है तो पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इन दिनों कई जगहों पर मूसलाधार बरसात हो रही है। मानसून की पहली बारिश शुरू हो गई है। ऐस में बारिश के मौसम में यात्रा की योजना है तो सुरक्षा के बारे में भी सोचें। इस मौसम में उन्हीं जगहों की योजना बनाएं जो बारिश के अनुकूल हों। इस लेख में उन जगहों के बारे में बताया जा रहा है, जहां मानसून में जाने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं कि मानसून में सफर की योजना बना रहे लोग कहां बिल्कुल न जाएं और इसकी क्या वजह होती है।

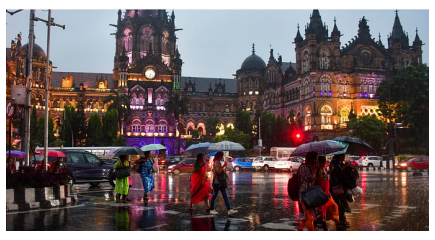

भूस्खलन संभावित पहाड़ी क्षेत्र

बारिश के समय पहाड़ी इलाकों में लैंडस्लाइड की आशंका सबसे ज्यादा होती है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और नॉर्थ-ईस्ट के कई क्षेत्रों में मानसून में खतरे की संभावना हो सकती है। इस मौसम में शिमला, किन्नौर, धारचूला, मुनस्यारी जैसी जगहों पर जाने से बचें। यहां सड़कों के धंसने, ट्रैफिक जाम और जान का खतरा मानसून में बना रहता है।

पानी भरने वाले शहर

मानसून में मुंबई, कोलकाता, चेन्नई जैसे शहरों में भारी बारिश के कारण पानी भर जाता है। मानसून में निचले इलाकों या समुद्र किनारे बने होटल से बचें। यहां ट्रैफिक की समस्या, फ्लाइट या ट्रेन के लेट होने और स्वास्थ्य जोखिम की आशंका होती है।

ज्यादा जंगलों वाले क्षेत्र

जंगलों में बारिश के दौरान कीचड़, फिसलन और कीड़े-मकौड़ों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए मानसून में जंगल सफारी या ट्रैकिंग से दूर रहें। इसका कारण है कि मानसून में रास्ते फिसलन भरे होते हैं, जंगली जानवरों का मूवमेंट अधिक हो जाता है।

कमजोर पुल और घाट

बारिश में पुराने या छोटे पुल बह सकते हैं, खासकर गांवों और ऑफ बीट जगहों में जाने से बचें।

24 घंटे कुछ न खाने से होते हैं शरीर में पॉजिटिव चेंज, जानिए रिसर्च क्या कहती है

इंटरमिटेंट फास्टिंग यानी सीमित समय के लिए भोजन से परहेज करना, आजकल सेहत को लेकर एक चर्चित विषय बना हुआ है। खासकर जब बात 24 घंटे तक कुछ न खाने की हो, तो यह सवाल उठता है, क्या इससे सिर्फ वजन ही नहीं घटता, बल्कि गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर से भी बचाव हो सकता है? इस सवाल का जवाब जानने से पहले यह समझना जरूरी है कि शरीर में 24 घंटे भूखे रहने से क्या बदलाव होते हैं, और यह कैसे हमें बीमारियों से बचा सकता है।

क्या होता है 24 घंटे फास्टिंग में?

जब आप लगातार 24 घंटे तक कुछ नहीं खाते, तो यह इंटरमिटेंट फास्टिंग का ही एक रूप होता है। इस दौरान शरीर को बाहर से ऊर्जा नहीं मिलती, तो वह अंदर जमा ग्लूकोज और फैट को ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करने लगता है। इसी प्रक्रिया में शरीर में ऑटोफैजी नाम की एक प्राकृतिक सेल क्लीनिंग प्रक्रिया सक्रिय होती है।

क्या है ऑटोफैजी?

ऑटोफैजी एक ऐसा जैविक सिस्टम है जिसमें हमारी कोशिकाएं खुद को साफ करती हैं। यानी पुराने, खराब या बेकार हिस्सों को तोड़कर उन्हें फिर से नए सेल्स के निर्माण में इस्तेमाल करती हैं। जापान के वैज्ञानिक योशिनोरी ओसुमी ने इस पर गहन रिसर्च की थी, और उन्हें इसके लिए 2016 में नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने बताया था कि

ऑटोफैजी प्रक्रिया

कैंसर सेल्स को बढ़ने से रोक सकती है। न्यूरोलॉजिकल बीमारियों (जैसे अल्जाइमर, पार्किंसंस) से भी बचाव कर सकती है।

फास्टिंग और सूजन में कमी

फास्टिंग करने से शरीर में सूजन के संकेतक जैसे सीआरपी और आईएल-6 में कमी आती है। सूजन यानी आज हार्ट डिजीज, कैंसर, डायबिटीज और ब्रेन डिजीज का बड़ा कारण माना जाता है। ऐसे में इसे नियंत्रित करना सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

फास्टिंग के अन्य फायदे

ब्लड शुगर कंट्रोल करता है। जिससे टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है, और यह कुछ प्रकार के कैंसर से भी जुड़ा है

वजन घटाने में मददगार। शरीर जमा फैट को एनर्जी में बदलता है

दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाता है। फोकस, मेमोरी और एकाग्रता में सुधार होता है

क्या फास्टिंग से कैंसर का खतरा कम हो सकता है?

रिसर्च बताती है कि फास्टिंग से शरीर में कैंसर सेल्स के बढ़ने की रफ्तार धीमी हो सकती है। जर्मनी और इटली के वैज्ञानिकों (जैसे डॉ. वाल्टर लोंगो) ने अपनी स्टडी में यह पाया कि इंटरमिटेंट फास्टिंग कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोक सकती है।

प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया कि फास्टिंग लिम्फोमा (एक प्रकार का कैंसर) के विकास को रोक सकता है।

24 घंटे तक फास्टिंग करना यानी कुछ न खाना शरीर के लिए कई मायनों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

यह न सिर्फ वजन घटाने और ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करता है, बल्कि शरीर में ऑटोफैजी जैसी प्रक्रिया को एक्टिव कर, कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से भी सुरक्षा दे सकता है। हालांकि, किसी भी तरह की फास्टिंग या डाइट को अपनाने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए, खासकर अगर आपको पहले से कोई बीमारी है।

महिलाओं में इन बीमारियों का खतरा होता है ज्यादा, कम उम्र से ही शुरू कर दीजिए बचाव के उपाय

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, महिलाएं कई गंभीर बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाती हैं, कई बीमारियां ऐसी भी होती हैं जो पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती हैं। यही कारण है डॉक्टर कम उम्र से ही सभी महिलाओं को अपनी सेहत को लेकर सावधान रहने की सलाह देते हैं। दुनियाभर में जिस तरह से क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है, इसके चलते स्वास्थ्य सेवाओं पर भी अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। स्वस्थ जीवन जीने की चाहत हर किसी की होती है, लेकिन गड़बड़ जीवनशैली, तनाव, खानपान की आदतों और हार्मोनल बदलाव कम उम्र में ही कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, महिलाएं कई गंभीर बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाती हैं, कई बीमारियां ऐसी भी होती हैं जो पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अधिक देखने को मिलती हैं। यही कारण है डॉक्टर कम उम्र से ही सभी महिलाओं को अपनी सेहत को लेकर सावधान रहने की सलाह देते हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल में लैंगिक असमानताओं को दूर करने, समग्र कल्याण को बढ़ावा देने, बीमारियों से बचाव को लेकर सावधान और जागरूक करने के उद्देश्य से हर साल 28 मई को अंतरराष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।

आर्थराइटिस की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, वैसे तो बीमारियां किसी को भी और किसी भी उम्र में हो सकती हैं, हालांकि 50 की उम्र के बाद महिलाओं की सेहत कई प्रकार से प्रभावित होने लग जाती है। इसके पीछे कई जैविक, हार्मोनल और जीवनशैली संबंधी कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। यही वजह है कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में हृदय रोग, डायबिटीज, आर्थराइटिस, सांस की समस्या और एनीमिया के मामले काफी ज्यादा देखे जाते हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी, वजन बढ़ना और अनुचित खानपान के कारण भी आपमें गठिया का जोखिम अधिक हो सकता है।

महिलाओं में थायरॉइड का जोखिम

अमेरिकन थायरॉइड एसोसिएशन के अनुसार, दुनियाभर में 200 मिलियन (20 करोड़) से अधिक लोग इस विकार का शिकार हैं। थायरॉइड विकार बच्चों से लेकर बुजुर्गों, महिला-पुरुष किसी को भी हो सकता है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि महिलाओं को पुरुषों की तुलना में थायरॉइड की समस्याओं का अधिक जोखिम होता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में थायरॉइड विकार की आशंका 8 से 10 गुना अधिक होती है। महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन (जैसे प्रेग्नेंसी, पीरियड्स, मेनोपॉज आदि) उन्हें इस विकार के प्रति अधिक संवेदनशील बना देते हैं।

हृदय रोगों के बढ़ते मामले

हृदय रोग का खतरा भी दुनियाभर में बड़ी संख्या में महिलाओं को प्रभावित करता है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक हर साल लाखों महिलाएं दिल की बीमारियों के कारण जान गंवाती हैं। महिलाओं में बढ़ते हृदय रोग के मामलों के लिए एस्ट्रोजन हार्मोन के असंतुलन को एक बड़ा कारण माना जाता है जिससे रक्त वाहिकाओं पर असर पड़ता है। तनाव और अवसाद की समस्या भी महिलाओं में अधिक देखी जाती है, जो हृदय रोग को बढ़ा सकती है। नियमित व्यायाम और ब्लड प्रेशर की जांच, संतुलित आहार के साथ धूम्रपान और शराब से दूरी बनाकर आप हृदय रोगों से बची रह सकती हैं।

महिलाओं में कैंसर के मामले

कुछ प्रकार के कैंसर के मामले भी महिलाओं को अधिक प्रभावित करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, स्तन कैंसर महिलाओं में सबसे आम कैंसर है। भारत में भी यह कैंसर काफी तेजी से बढ़ रहा है। इसी तरह से महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का जोखिम भी हाल के वर्षों में बढ़ा है। कैंसर के बढ़ते जोखिमों के लिए फैमिली हिस्ट्री, मोटापा और हार्मोनल असंतुलन को जिम्मेदार माना जाता है। सर्वाइकल कैंसर के लिए एचपीवी संक्रमण को जिम्मेदार माना जाता है जिससे बचाव के लिए वैक्सीनेशन की सलाह दी जाती रही है। डॉक्टर कहते हैं, महिलाओं को चाहिए कि वे अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और इन बीमारियों के प्रति जागरूक रहें। नियमित हेल्थ चेकअप, संतुलित आहार, व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। युवावस्था से ही इन बातों का पालन कर महिलाएं न सिर्फ इन बीमारियों से बच सकती हैं, बल्कि एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन भी जी सकती हैं।

बरसात में इन जगहों पर घूमने जाएं, सुहाने मौसम का पूरा लुत्फ उठा सकेंगे आप

बरसात के मौसम सुहाना, मिट्टी की सौंधी खुशबू से भरा और ठंडक भरा होता है। बरसात का मौसम अपने साथ हरियाली, ठंडी हवा और एक अलग ही सुकून लेकर आता है। ऐसे में अगर आपको

कहीं घूमने का मन हो तो भारत में कई खूबसूरत जगहें हैं जहां मानसून के दौरान प्रकृति अपने सबसे सुंदर रूप में नजर आती है। बरसात का मौसम सिर्फ घर में बैठकर चाय और पकौड़ों का आनंद लेने के लिए ही नहीं, बल्कि प्रकृति के सबसे खूबसूरत रूप को देखने का भी सबसे अच्छा समय होता है। इन जगहों पर घूमकर आप मानसून को सच में जी सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी बेहतरीन मानसून डेस्टिनेशन के बारे में जहां आप इस मौसम में घूमने का पूरा आनंद ले सकते हैं।

माउंट आबू, राजस्थान

राजस्थान का एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू बारिश के मौसम में और भी हरा-भरा और सुंदर हो जाता है। नक्की लेक, गुरु शिखर और दिलवाड़ा मंदिर यहां की खास जगहें हैं।

लोनावला-खंडाला, महाराष्ट्र

मुंबई और पुणे के नजदीक स्थित ये दो हिल स्टेशन मानसून के दौरान झरनों, हरियाली और कोहरे से ढके नजर आते हैं।

चेरापूंजी, मेघालय

दुनिया के सबसे अधिक वर्षा वाले स्थानों में शुमार चेरापूंजी मानसून में रोमांचक अनुभव देता है। यहां के झरने, गुफाएं और पुल एकदम जादुई अनुभव देते हैं।

कूर्ग, कर्नाटक

'दक्षिण भारत का स्कॉटलैंड' कहे जाने वाले कूर्ग में मानसून के दौरान कॉफी के बागान, बादलों से घिरे पहाड़ और झरनों का नजारा देखने लायक होता है।

उदयगिरी और कोणार्क, ओडिशा

मानसून में ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा करना चाहते हैं तो ओडिशा के ये स्थल बेहतरीन हैं। उदयगिरी

तेजी से झड़ रहे हैं बाल, बढ़ रहा है गंजापन? कहीं आपको थायराइड की समस्या तो नहीं

थाइराइड की समस्या को आमतौर पर वजन बढ़ने से जोड़कर देखा जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि इसका बालों की सेहत पर भी गंभीर असर हो सकता है? बाल झड़ने की समस्या कुछ समय पहले तक उम्र बढ़ने के साथ होने वाली दिक्कत मानी जाती थी, हालांकि अब कम उम्र के लोग भी इसका शिकार हो रहे हैं। यहां तक कि 20 से कम उम्र के लोगों में भी ये दिक्कत देखी जा रही है। बालों की समस्या को लेकर लोग तरह-तरह के उपचार कराते हैं, कई प्रकार की तेल से लेकर दवाओं तक

को प्रयोग में लाते हैं, फिर भी विशेष लाभ नहीं मिलता। समस्या का पता लगाकर उस आधार पर इलाज करना जरूरी है। क्या आप जानते हैं कि बालों के झड़ने की समस्या कई बार थायराइड विकारों की वजह से भी हो सकती है। थायराइड की समस्या को आमतौर पर वजन बढ़ने से जोड़कर देखा जाता रहा है, पर क्या आप जानते हैं कि इसका बालों की सेहत पर भी गंभीर असर हो सकता है?

थायराइड की समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बालों का झड़ना एक आम समस्या है, लेकिन जब यह अचानक और तेजी से होने लगे तो इसके पीछे के कारणों को समझना भी आवश्यक हो जाता है। कई बार बालों की समस्या किसी गंभीर बीमारी या फिर थायराइड ग्रंथि से जुड़ी गड़बड़ी का दुष्प्रभाव भी हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि थायराइड हार्मोन का असंतुलन न केवल मेटाबॉलिज्म क्रिया को प्रभावित करती है, बल्कि बालों की सेहत पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है।

थायराइड के कारण बालों की समस्या

थायराइड हार्मोन बालों के रोम के विकास चक्र को प्रभावित करते हैं। जब थायराइड ग्रंथि पर्याप्त हार्मोन नहीं बनाती (हाइपोथायरायडिज्म) तो इस तरह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिन लोगों को हाइपोथायरायडिज्म की दिक्कत होती है उनमें बालों के पतला होने और झड़ने की समस्या देखी जाती है। इस तरह के थाइराइड विकार बालों को रूखा कर देते हैं जिससे जड़ें कमजोर होने लगती हैं और बाल झड़ने लगते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, थायराइड एक तितली आकार की ग्रंथि होती है जो गले के निचले हिस्से में स्थित होती है। यह ग्रंथि दो प्रमुख हार्मोन टी3 और टी4 का उत्पादन करती है, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म, ऊर्जा स्तर, और बालों सहित त्वचा व नाखूनों के स्वास्थ्य को नियंत्रित करते हैं। यही कारण है कि थाइराइड की समस्या से परेशान लोगों को बालों से संबंधित समस्याएं होनी शुरू हो जाती हैं। जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रोनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि हाइपोथायरायडिज्म के रोगियों में 25-30% बाल झड़ने की समस्या की शिकायत करते हैं।

थायराइड के अन्य लक्षणों पर भी दे ध्यान

थायराइड विकार बालों के अलावा शरीर में और भी कई प्रकार की दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है। विशेषकर हाइपोथायरायडिज्म के कारण भौहों के बाल झड़ने, नाखूनों के टूटने और कमजोर होने, त्वचा में जलन-सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

एचडीएफसी बैंक ने लखनऊ में करेंसी चेस्ट खोला

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के विराज खंड में एचडीएफसी बैंक के नए करेंसी चेस्ट का उद्घाटन किया। यह राज्य में बैंक की चौथी और भारत में 38वीं ऐसी सुविधा होगी। इस सुविधा के साथ यहां एक पुलिस रूम, कैश रिसीट एरिया, सॉर्टिंग रूम, फायर सेफ्टी सिस्टम व वाइब्रेशन और मोशनडेंसेंसर के साथ-साथ एक मजबूत सिक्योरिटी सिस्टम की व्यवस्था की गई है। इस मौके पर पंकज कुमार - रीजनल डायरेक्टर - रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, लखनऊ और एचडीएफसी बैंक से श्री भावेश जवेरी - एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, गौरव रॉय - ग्रुप हेड, डब्ल्यूबीओ ऑपरेशंस, श्री अरुण मेदिरत्ता - ग्रुप हेड, रीजनल ब्रांच बैंकिंग, श्री मुस्कान सिंह - ब्रांच बैंकिंग हेड (उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड) और बैंक के अन्य सीनियर एग्जीक्यूटिव भी मौजूद थे। करेंसी चेस्ट सभी स्टेकहोल्डर्स को सही कैश डिस्ट्रीब्यूशन और समय पर साफ और सही करेंसी उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। यह लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन को काफी बढ़ाएगा और लखनऊ, फैजाबाद, बाराबंकी, गोरखपुर और कानपुर जिलों में 246 ब्रांच, 317 एटीएम को बिना रुकावट करेंसी सप्लाई सुनिश्चित करेगा

डबल सुपर ओवर में हारा अफगानिस्तान, द. अफ्रीका के खिलाफ आखिरी गेंद पर 5 रन नहीं बना पाए

अहमदाबाद। टी20 विश्वकप 2026 के 13वें मैच में आज दक्षिण अफ्रीका का सामना अफगानिस्तान से था। इस रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने डबल सुपर ओवर में जीत हासिल की। यह मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया। डबल सुपर ओवर में हारा अफगानिस्तान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कांटे की टक्कर में दक्षिण अफ्रीका ने डबल सुपर ओवर में अफगानिस्तान को हरा दिया है। दोनों टीमों ने 20-20 ओवर के खेल के बाद 187-187 रन बनाए थे। मैच टाई रहने पर सुपर ओवर में पहुंचा था। इसके बाद अफगानिस्तान ने पहले सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए 17 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने भी 17 रन बना डाले। सुपर ओवर में स्कोर टाई रहने के बाद मैच दूसरे सुपर ओवर में पहुंचा। दूसरे सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 23 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम ने शुरूआती दो गेंद में कोई रन नहीं बनाए थे, साथ ही नबी भी आउट हो गए थे। इसके बाद गुरबाज बल्लेबाजी के लिए आए और अगली तीन गेंद पर तीन छक्के लगाए। ऐसे में केशव महाराज की आखिरी गेंद पर अफगानिस्तान को छह रन चाहिए थे। फिर महाराज ने वाइड गेंद फेंकी। ऐसे में अफगानिस्तान को मैच टाई कराने के लिए चार रन और जीत के लिए पांच रन चाहिए थे। हालांकि, आखिरी गेंद पर गुरबाज कैच दे बैठे और आउट हो गए। ऐसे में अफगानिस्तान की टीम हार गई। यह हार अफगानिस्तान के लिए दिल तोड़ देने वाली है। गुरबाज मैच के बाद भावुक दिखे। मैच

अब डबल सुपर ओवर में पहुंच चुका है। पहला सुपर ओवर टाई रहने के बाद अब दूसरा सुपर ओवर खेला जाएगा। जो बल्लेबाज पहले सुपर ओवर में आउट हुए, वो फिर से बल्लेबाजी के लिए नहीं आ सकते और वही गेंदबाज फिर से गेंदबाजी नहीं कर सकते। अब दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करेगी। अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया है। अहमदाबाद में खेले गए ग्रुप डी के इस मुकाबले में दोनों टीमों ने 187-187 रन बनाए। अब सुपर ओवर में पहले अफगानिस्तान की टीम बल्लेबाजी करेगी, फिर दक्षिण अफ्रीका की टीम उस स्कोर को चेज करेगी। आखिरी दो ओवर में अफगानिस्तान को जीत के लिए 24 रन चाहिए थे। तब राशिद खान और मुजीब उर रहमान क्रीज पर थे। इसी ओवर में तीसरी गेंद पर राशिद खान कैच आउट हो गए। इसके बाद नूर ने आकर छक्का लगाया। हालांकि, ओवर की आखिरी गेंद पर मुजीब रन आउट हो गए। आखिरी ओवर का रोमांच ऐसे में अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में 13 रन की दरकार थी। कगिसो रबाडा के ओवर की पहली गेंद पर नूर का कैच कवर्स पर लिया गया, लेकिन यह गेंद नो बॉल निकली। अफगानिस्तान के सात विकेट गिरे अफगानिस्तान ने 18 ओवर के बाद सात विकेट पर 164 रन बना लिए हैं। फिलहाल राशिद और मुजीब रहमान क्रीज पर हैं। अफगानिस्तान को 12 गेंद में 24 रन चाहिए। अजमतुल्लाह ओमरजई 22 रन और मोहम्मद नबी पांच रन बनाकर आउट हुए। गुरबाज शतक से चूके अफगानिस्तान की टीम को 13वें ओवर में 121 के स्कोर पर दो झटके लगे। केशव महाराज ने तूफानी बल्लेबाजी कर रहे रहमनुल्लाह गुरबाज को लिंडे के हाथों कैच कराया। गुरबाज शतक से चूक गए। उन्होंने 42 गेंद में चार चौके और सात छक्के की मदद से 84 रन की पारी खेली। इसके बाद ओवर की पांचवीं गेंद पर दरविश रसूली रन आउट हो गए। वह 18 गेंद में 15 रन बना सके। रसूली और गुरबाज के बीच 69 रन की साझेदारी हुई। 13 ओवर के बाद अफगानिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन है। उन्हें 42 गेंद में 67 रन की जरूरत है। फिलहाल मोहम्मद नबी और अजमतुल्लाह ओमरजई क्रीज पर हैं। अफगानिस्तान को तीसरा झटका अफगानिस्तान ने सात गेंद में तीन विकेट गंवा दिए हैं। इनमें से दो विकेट लुंगी एनगिडी और एक विकेट कगिसो रबाडा ने लिया। पांचवें ओवर में एनगिडी ने इब्राहिम जादरान (12) और गुलबदीन नईब (0) को आउट किया था। इसके बाद छठे ओवर में कगिसो रबाडा ने सेदिकुल्लाह अटल को पवेलियन भेजा। अटल भी खाता नहीं खोल सके। फिलहाल रहमनुल्लाह गुरबाज और दरविश रसूली क्रीज पर हैं। छह ओवर के बाद अफगानिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 56 रन है। तीन गेंद में दो झटके अफगानिस्तान को पांचवें ओवर में तीन गेंद में दो झटके लगे। ओवर की दूसरी गेंद पर लुंगी एनगिडी ने इब्राहिम जादरान को क्लीन बोल्ड किया। वह 12 रन बना सके। इसके बाद चौथी गेंद पर गुलबदीन नईब का कैच अपनी ही गेंद पर लपका। वह खाता नहीं खोल सके। इब्राहिम जादरान क्लीन बोल्ड अफगानिस्तान को रहमनुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने तूफानी शुरूआत दिलाई। हालांकि, 51 के स्कोर पर इब्राहिम आउट हो गए। उन्हें लुंगी एनगिडी ने क्लीन बोल्ड किया। जादरान ने 10 गेंद में 12 रन बनाए। फिलहाल गुरबाज और गुलबदीन नईब क्रीज पर हैं। दक्षिण अफ्रीका ने 187 रन बनाए दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान के सामने 188 रन का लक्ष्य रखा है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाए। टीम की शुरूआत खराब रही थी। कप्तान एडेन मार्करम पांच रन बनाकर फजलहक फारूकी का शिकार बने। इसके बाद क्विंटन डिकॉक और रियान रिकेल्टन ने तूफानी बल्लेबाजी की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 61 गेंद में 114 रन जोड़े। इस साझेदारी को राशिद खान ने तोड़ा। उन्होंने तीन गेंद में दोनों को पवेलियन भेजा। डिकॉक 41 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 59 रन और रिकेल्टन 28 गेंद में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। डेवाल्ड ब्रेविस 19 गेंद में 23 रन और ट्रिस्टन स्टब्स एक रन बनाकर आउट हुए। यानसेन ने सात गेंद में 16 रन बनाए। डेविड मिलर 15 गेंद में 20 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह ओमरजई ने तीन और राशिद ने दो विकेट झटके। वहीं, फजलहक फारूकी को एक विकेट मिला। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने तीन गेंद में दक्षिण अफ्रीका को दो बड़े झटके दिए। उन्होंने 13वें ओवर की चौथी गेंद पर डिकॉक को इब्राहिम जादरान के हाथों कैच कराया। डिकॉक ने 41 गेंद में पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। फिर ओवर की आखिरी गेंद पर रेयान रिकेल्टन को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 28 गेंद में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन बना सके।

हमारा मकसद बांग्लादेश को सम्मान दिलाना था यू-टर्न लेने के फैसले पर बोले पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एक बार फिर कहा कि उनका लक्ष्य बांग्लादेश को सम्मान दिलाना था। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने पर यू-टर्न लिया था। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ नहीं खेलने के फैसले पर यू-टर्न ले लिया है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बताया है कि उन्होंने बहिष्कार करने का फैसला बांग्लादेश के लिए लिया था। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान का लक्ष्य बांग्लादेश को सम्मान दिलाना था। दरअसल, बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए टी20 विश्व कप के मैच भारत के बजाए श्रीलंका में खेलने की

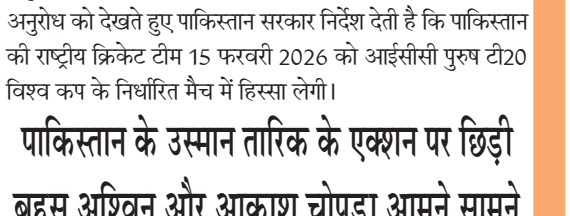

मांग की थी। आईसीसी ने उसकी मांग खारिज कर दी थी और उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। बेवजह विवाद में कूदा था पाकिस्तान बांग्लादेश को बाहर किए जाने के बाद पाकिस्तान बेवजह विवाद में कूदा। पाकिस्तान सरकार ने घोषणा की थी कि उसकी राष्ट्रीय टीम 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले टी20 विश्व कप के ग्रुप मैच में भारत के खिलाफ मैदान में नहीं उतरेगी। पीसीबी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच हुई बातचीत के बाद पाकिस्तान सरकार ने सोमवार देर रात बहिष्कार का फैसला वापस ले लिया था। नकवी का दावा- बांग्लादेश की मांग हुई स्वीकार नकवी ने कहा, हमारी बातचीत का मुद्दा सिर्फ बांग्लादेश था। हमारा एकमात्र मकसद उन्हें सम्मान दिलाना और उनके साथ हुई नाइंसाफी को सामने लाना था। बांग्लादेश की जो भी मांगें थीं, उन्हें मान लिया गया। बस यही हमारा उद्देश्य था। इस बैठक में हमारा कोई निजी हित नहीं था। हमारा काम पूरी तरह बांग्लादेश से जुड़ा था और सरकार ने भी उसी आधार पर फैसला लिया। जब उनकी मांगें मान ली गईं और यह स्वीकार कर लिया गया कि उनके साथ अन्याय हुआ है, तभी हमने मैच खेलने का निर्णय लिया। नकवी ने भारत के खिलाफ प्रस्तावित बहिष्कार को लेकर बने गतिरोध को सुलझाने के लिए रविवार को बांग्लादेश के अपने समकक्ष अमीनुल इस्लाम और आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा से मुलाकात की थी। पाकिस्तान सरकार ने सोमवार को जारी बयान में कहा था, बहुपक्षीय बैठकों में मिले सकारात्मक नतीजों और मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए पाकिस्तान सरकार निर्देश देती है कि पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम 15 फरवरी 2026 को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के निर्धारित मैच में हिस्सा लेगी।

पाकिस्तान के उस्मान तारिक के एक्शन पर छिड़ी बहस अश्विन और आकाश चोपड़ा आमने सामने

कोलंबो। अमेरिका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद उस्मान तारिक की गेंदबाजी एक्शन चर्चा में है। श्रीवत्स गोस्वामी ने पॉज पर सवाल उठाए, जबकि आर अश्विन और आकाश चोपड़ा ने नियमों और तकनीक पर अलग नजरिया रखा। आईसीसी की क्लीन चिट के बाद भी बहस जारी है। अमेरिका के खिलाफ उस्मान तारिक ने तीन विकेट झटके और पाकिस्तान ग्रुप-ए में शीर्ष पर पहुंच गया, लेकिन मैच के बाद चर्चा जीत की नहीं, बल्कि उनकी गेंदबाजी एक्शन की होने लगी। सोशल मीडिया पर चकिंग के आरोपों ने तूल पकड़ लिया। यह चर्चा नई नहीं है, पिछले काफी समय से हो रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान दौरे पर कैमरन ग्रीन ने उस्मान पर चकिंग का आरोप लगाया था। इसके बाद से वह लगातार सुर्खियों में हैं। पाकिस्तान को अगला मैच 15 फरवरी को कोलंबो में भारत से खेलना है। ऐसे में भारत के तीन दिग्गज भी उस्मान पर बहस करने

से पीछे नहीं रहे। आकाश चोपड़ा, आर अश्विन और श्रीवत्स गोस्वामी ने उस्मान पर अपनी अपनी राय रखी है। श्रीवत्स गोस्वामी ने उठाया सवाल पूर्व भारतीय विकेटकीपर श्रीवत्स गोस्वामी ने सीधे कोहनी के मुड़ने पर सवाल नहीं उठाया, बल्कि गेंद छोड़ने से पहले आने वाले 'पॉज' यानी उस्मान के कुछ क्षण के लिए रुकने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, 'फुटबॉल में भी पेनल्टी रन-अप के दौरान रुकने की इजाजत नहीं है। यह कैसे ठीक है? एक्शन ठीक है, लेकिन डिलीवरी से पहले पॉज? इसे गंभीरता से जारी नहीं रखा जा सकता।' अश्विन ने पलट दी बहस इसके बाद मैदान में एंट्री हुई रविचंद्रन अश्विन की। उन्होंने फुटबॉल वाली तुलना से सहमति जताई, लेकिन मुद्दे को अलग दिशा दे दी। अश्विन ने कहा, 'सहमत हूं कि फुटबॉल में इसकी इजाजत नहीं है! लेकिन बल्लेबाज बिना अंपायर या गेंदबाज को बताए स्विच-हिट या रिवर्स खेल सकता है॥ तो पाबंदियां सिर्फ गेंदबाज पर ही क्यों?' फिर उन्होंने नियमों पर बड़ा सवाल खड़ा किया। अश्विन ने कहा, 'असल में गेंदबाज बिना अंपायर को बताए अपनी गेंदबाजी वाली बांह भी नहीं बदल सकता। पहले वह नियम बदलिए।' आकाश चोपड़ा भी कूदे अश्विन की बात को सपोर्ट करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा कि पॉज अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन उन्होंने अश्विन के सामने तकनीकी सवाल रख दिया। उन्होंने पूछा, 'अगर रन-अप से कोई मोमेंटम नहीं बन रहा, तो क्या बिना बांह मोड़े कुछ गेंदों पर 20-25 किमी/घंटा की रफ्तार बढ़ाना संभव है?' और यहीं से बहस भावनाओं से निकलकर बायोमैकेनिक्स पर पहुंच गई। आईसीसी पहले दे चुका है क्लीन चिट याद दिला दें कि उस्मान तारिक की एक्शन को आईसीसी पहले ही दो बार क्लियर कर चुका है। उनकी कोहनी का झुकाव तय 15 डिग्री की सीमा के भीतर पाया गया था। तारिक खुद भी कह चुके हैं कि उनकी बांह का प्राकृतिक ढांचा ऐसा है। तकनीकी तौर पर सब सही होने के बावजूद, इस मुद्दे ने क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञों को दो हिस्सों में बांट दिया है।

अभिषेक और वरुण का आईसीसी रैंकिंग में दबदबा कायम सिकंदर रजा नंबर-1 ऑलराउंडर बने

नई दिल्ली। आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं, वरुण चक्रवर्ती ने गेंदबाजों की सूची में अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं, वरुण चक्रवर्ती ने गेंदबाजों की सूची में अपना पहला स्थान बरकरार रखा है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा टी20 प्रारूप में नंबर वन ऑलराउंडर बन गए हैं। अभिषेक का जलवा कायम बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा पहले, इंग्लैंड के फिल साल्ट दूसरे, पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे, इंग्लैंड के जोस बटलर चौथे और भारत के तिलक वर्मा पांचवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसंका छठे स्थान पर हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव सातवें, न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट आठवें, ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिशेल मार्श दसवें स्थान पर हैं। साहिबजादा फरहान को यूएसए के खिलाफ खेली गई 73 रन की पारी का जोरदार फायदा हुआ है। इसी पारी की बदौलत फरहान 4 स्थान की छलांग लगाते हुए तीसरे स्थान पर पहुंचे हैं। वरुण भी नंबर-1 गेंदबाज गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के वरुण चक्रवर्ती पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद चौथे, श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा पांचवें, न्यूजीलैंड के जैकब डफी छठे, पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज सातवें, बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान आठवें, ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा नौवें और अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान दसवें स्थान पर हैं। सिकंदर रजा ने मारी बाजी टी20 के शीर्ष ऑलराउंडर्स की सूची में पाकिस्तान के सईम अयूब को पीछे छोड़ते हुए जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने पहला स्थान हासिल कर लिया है। अयूब दूसरे स्थान पर हैं। भारत के हार्दिक पांड्या तीसरे, वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज चौथे, पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज पांचवें, नेपाल के दीपेंद्र सिंह एरे छठे, वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड सातवें, अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई आठवें, अफगानिस्तान के मोहम्मब नबी नौवें और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा दसवें स्थान पर हैं।

रबाडा के नो बॉल से गुरबाज के लगातार 3 छक्के तक अफगानिस्तान-द. अफ्रीका मैच में कई बार बढ़ीं धड़कनें

अहमदाबाद। आइए जानते हैं पल पल इस मैच का समीकरण कैसे बदलता रहा। गुरबाज ने अपनी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीता। उन्होंने गजब की पारी खेली, फिर सुपर ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर फैंस का मनोरंजन किया। हार के बाद वह भावुक दिखे। टी20 विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस विश्वकप में अब तक का सबसे दिलचस्प मुकाबला बुधवार को खेला गया। अफगानिस्तान और

दक्षिण अफ्रीका के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला गया यह मुकाबला एक नहीं, डबल सुपर ओवर में पहुंचा। हालांकि, आखिर में दक्षिण अफ्रीका ने नब्ज पर काबू रखते हुए जीत हासिल की। हालांकि, इस मैच ने कई बार फैंस की दिल की धड़कनें बढ़ाईं। इस पूरी कहानी की शुरुआत अफगानिस्तान की पारी के दौरान 20वें ओवर में कगिसो रबाडा के दो नो बॉल से हुई। वहीं, अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने दूसरे सुपर ओवर में लगातार तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को लगभग जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया था। पर इस मैच के रोमांच ने फैंस को नाखुन चबाने पर मजबूर कर दिया। आइए जानते हैं पल पल इस मैच का समीकरण कैसे बदलता रहा। दक्षिण अफ्रीका ने 187 रन बनाए, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान के सामने 188 रन का लक्ष्य रखा था। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाए। टीम की शुरुआत खराब रही थी। कप्तान एडेन मार्करम पांच रन बनाकर फजलहक फारूकी का शिकार बने। इसके बाद क्विंटन डिकॉक और रियान रिकेल्टन ने तूफानी बल्लेबाजी की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 61 गेंद में 114 रन जोड़े। इस साझेदारी को राशिद खान ने तोड़ा। उन्होंने तीन गेंद में दोनों को पवेलियन भेजा। डिकॉक 41 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 59 रन और रिकेल्टन 28 गेंद में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए। डेवाल्ड ब्रेविस 19 गेंद में 23 रन और ट्रिस्टन स्टब्स एक रन बनाकर आउट हुए। यानसेन ने सात गेंद में 16 रन बनाए। डेविड मिलर 15 गेंद में 20 रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह ओमरजई ने तीन और राशिद ने दो विकेट झटके। वहीं, फजलहक फारूकी को एक विकेट मिला। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने तीन गेंद में दक्षिण अफ्रीका को दो बड़े झटके दिए। उन्होंने 13वें ओवर की चौथी गेंद पर डिकॉक को इब्राहिम जादरान के हाथों कैच कराया। डिकॉक ने 41 गेंद में पांच चौके और तीन छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। फिर ओवर की आखिरी गेंद पर रेयान रिकेल्टन को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 28 गेंद में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 61 रन बना सके। अफगानिस्तान को आखिरी ओवर में 13 रन की दरकार थी। कगिसो रबाडा के ओवर की पहली गेंद पर नूर का कैच कवर्स पर लिया गया, लेकिन यह गेंद नो बॉल निकली। ऐसे में अफगानिस्तान को एक रन भी मिला और फ्री हिट भी। इसके बाद अगली गेंद वाइड रही और ऐसे में अफगानिस्तान को बिना किसी गेंद के दो रन मिल गए। इसकी अगली गेंद पर कोई रन नहीं बना। ओवर की दूसरी ऑफिशियल गेंद पर नूर ने छक्का लगाया। इसके बाद अफगानिस्तान को चार गेंद में पांच रन की जरूरत थी। तीसरी गेंद पर कोई रन नहीं बना। इसके बाद अगली गेंद खाडा ने फिर नो बॉल फेंकी। यानी अफगानिस्तान को तीन गेंद पर दो रन की दरकार थी। अगली गेंद पर दो रन के चक्कर में फारूकी रन आउट हो गए। वह अगर डाइव भी लगा देते तो रन आउट से बच सकते थे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। हालांकि, एक रन से स्कोर बराबर हो चुका था और मैच सुपर ओवर में गया। मैच डबल सुपर ओवर में पहुंचा पहला सुपर ओवर टाई रहने के बाद मैच दूसरे सुपर ओवर में पहुंचा। जो बल्लेबाज पहले सुपर ओवर में आउट हुए, वो फिर से बल्लेबाजी के लिए नहीं आ सकते और जिस गेंदबाज ने पहले सुपर ओवर में गेंदबाजी की, वही गेंदबाज फिर से गेंदबाजी नहीं कर सकते। वहीं, पहले सुपर ओवर में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम दूसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करती है। डबल सुपर ओवर में हारा अफगानिस्तान इस तरह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कांटे की टक्कर में दक्षिण अफ्रीका ने डबल सुपर ओवर में अफगानिस्तान को हरा दिया।

अभिषेक शर्मा दिल्ली के अस्पताल में भर्ती नामीबिया के खिलाफ मैच में खेलने पर सस्पेंस

नई दिल्ली। अभिषेक शर्मा की स्वास्थ्य समस्या ने नामीबिया मैच के लिए टीम की योजनाओं में संशय पैदा कर दिया है। हालांकि, टीम प्रबंधन आशावादी है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में वापसी कर सकते हैं। भारतीय टीम के फ्लेम्बॉयंट ओपनर अभिषेक शर्मा पेट की समस्या के चलते दिल्ली के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हैं। उन्होंने पिछले दो दिनों से अस्पताल में रहकर इलाज कराया है। टीम प्रबंधन ने बताया कि पेट की समस्या के कारण उनके टेस्ट किए जा रहे हैं और अभी तक यह साफ नहीं है कि उन्हें आज यानी बुधवार को अस्पताल से छुट्टी मिल पाएगी या नहीं। नामीबिया मैच पर असर अभिषेक शर्मा की फिटनेस को देखते हुए भारत बनाम नामीबिया मैच में उनके खेलने पर सस्पेंस है। यह मैच 12 फरवरी को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होना है। बीसीसीआई के सूत्र ने कहा, 'मैच के लिए उनकी उपलब्धता अभी स्पष्ट नहीं है।' टीम को उम्मीद है कि वह जल्द ही स्वस्थ होकर मैदान पर वापसी करेंगे। नामीबिया के खिलाफ अभिषेक की जगह संजू सैमसन को मौका मिल सकता है। वहीं, ईशान किशन दूसरे ओपनर हो सकते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की उम्मीद! टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ यह आश्वस्त हैं कि शर्मा 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। उनका स्वास्थ्य और रिकवरी इस समय मुख्य प्राथमिकता है। गंभीर के घर डिनर पर गए थे सूत्रों के मुताबिक, 25 वर्षीय अभिषेक शर्मा ने संडे को मुख्य कोच गौतम गंभीर के घर आयोजित डिनर में हिस्सा लिया था, लेकिन बाकी टीम के सदस्यों की तुलना में जल्दी ही वहां से चले गए थे। माना जा रहा है कि इसी दौरान उन्हें पेट की परेशानी हुई। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि अभिषेक शर्मा अमेरिका के खिलाफ पिछले मैच से पहले भी पूरी तरह फिट नहीं थे, और मैच खेलने के बाद उनकी हालत और बिगड़ गई। बताया जा रहा है कि बाएं हाथ के इस ओपनर को तेज बुखार था और तुरंत राहत के लिए उन्हें ड्रिप चढ़ाई गई थी। खराब तबीयत के कारण अभिषेक दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टीम के अभ्यास सत्र में भी हिस्सा नहीं ले सके। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि वह इस खराब हालत में गंभीर के घर डिनर के लिए गए क्यों? दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज अमेरिका के खिलाफ अभिषेक खाता नहीं खोल पाए थे। यह उनका पहला टी20 विश्वकप है। अभिषेक फिलहाल दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज हैं। उनका खेलना टीम इंडिया के अभियान के लिए बेहद जरूरी है। जिस तरह की शुरूआत वह देते हैं, उससे विपक्षी टीम पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनता है। पाकिस्तान के खिलाफ वह भारत के प्रमुख हथियार होंगे। शाहीन अफरीदी अब तक अभिषेक को एक बार भी आउट नहीं कर पाए हैं। अभिषेक शर्मा के स्टैट्स अभिषेक ने भारत के लिए अब तक 39 टी20 मैच खेले हैं। इसमें 36.03 की औसत से 1297 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 194.46 का रहा है। इनमें दो शतक और आठ अर्धशतक शामिल हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 रन का रहा है। फैंस उनके जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

पाकिस्तान को नहीं है अपने तेज गेंदबाजों पर भरोसा अमेरिका के खिलाफ 20 में 16 ओवर स्पिनर्स से कराए

कोलंबो। कोलंबो में पाकिस्तान ने अमेरिका को 32 रन से हराया। स्पिनरों ने 20 में से 16 ओवर डालकर जीत की नींव रखी। फरहान की 73 रन की पारी अहम रही। लगातार दूसरी जीत से पाकिस्तान बेहतर नेट रन रेट के साथ ग्रुप-ए में शीर्ष पर पहुंच गया। टी20 विश्व कप 2026 में मंगलवार को कोलंबो में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच मैच खेला गया। पाकिस्तान ने इस मैच में 32 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान की इस जीत में उनके स्पिनरों की अहम भूमिका रही। पारी की 80 प्रतिशत गेंदें स्पिनरों ने ही फेंकी।

सिर्फ दो तेज गेंदबाज खेले जब अमेरिका की पारी शुरू हुई, तो उम्मीद थी कि पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा कुछ ओवर तेज गेंदबाजों से भी कराएंगे, लेकिन शाहीन अफरीदी को छोड़कर आगा किसी भी तेज गेंदबाज की तरफ नहीं गए। 20 ओवर में शाहीन ने चार ओवर फेंके। इसके अलावा बाकी के सभी 16 ओवर पाकिस्तान के कप्तान ने स्पिनरों से कराए और इसका परिणाम भी उन्हें जीत के रूप में मिला। पावरप्ले से ही स्पिन अटैक पाकिस्तान के स्पिनरों सईम अयूब ने एक, अबरार अहमद ने चार, मोहम्मद नवाज ने तीन, शादाब खान ने चार और उस्मान तारिक ने चार सहित कुल 16 ओवर की गेंदबाजी की। टीम में फहीम अशरफ भी थे जो तेज गेंदबाजी करते हैं, लेकिन उन्हें गेंद नहीं दी गई। उस्मान तारिक ने तीन, शादाब खान ने दो, और अबरार और नवाज ने एक-एक विकेट लेकर पाकिस्तान को अमेरिका के खिलाफ जीत दिलायी। टी20 में यह दूसरा मौका टी20 में यह दूसरा मौका था जब पाकिस्तान ने सबसे ज्यादा (16 ओवर) स्पिनरों से फेंकवाया। इसके पहले 2012 में कोलंबो में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान ने 20 में से 18 ओवर स्पिन गेंदबाजों से करवाए थे।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के कार्यालय में बजट चर्चा का हुआ आयोजन

लखनऊ,(संवाददाता)। बुधवार को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में ष्बजट चर्चाष् कार्यक्रम का आयोजन हुआ प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री द्वारा पेश किए जा रहे बजट का सजीव प्रसारण देखते हुए व्यापारियों ने बजट चर्चा कार्यक्रम में पेश किए गए बजट पर विस्तृत चर्चा की बजट चर्चा कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ,प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, उपाध्यक्ष दीपक सिंह चौहान, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्याय गुरप्रीत सिंह चड्ढा, प्रदेश उपाध्यक्ष आसिफ किदवई, नगर महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती अनिला अग्रवाल, नगर उपाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ,राजेश गुप्ता, प्रवीण मिश्रा सहित कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे व्यापारियो ने प्रदेश सरकार के बजट की सराहना की, व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा वित्त मंत्री ने सभी सेक्टर को छूने की कोशिश की तथा इस बजट के माध्यम से प्रदेश का चौमुखी विकास होगा तथा व्यापारियों एवं उद्योगों को भी लाभ होगा उन्होंने कहा धार्मिक पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलने से प्रदेश के कई जिलों के व्यापारियों को सीधा लाभ होगा

मनोरंजन

आलिया भट्ट नहीं बनना बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल ने ऐसा क्यों कहा? यूजर्स ने क्या दी प्रतिक्रिया

बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल शो से बाहर आने के बाद भी जब-तब सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि आलिया भट्ट या करीना कपूर नहीं बनना है। आखिरी तान्या मित्तल ने ऐसा क्यों कहा? जानिए।

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

पहली तान्या मित्तल बनने का ख्वाब देखा

फरीदून शहरयार के यूट्यूब चैनल पर तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।

यूजर्स ने भी तान्या के सपोर्ट में उतरे

तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, तान्या क्वीन है। एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है। इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही

प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रांन्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

यार ये मुझे देखता ही नहीं जब कंगना रनौत ने इस एक्टर से किया था फ्लर्ट खुद किया कुबूल

धुरंधर फिल्म के बाद अक्षय खन्ना सोशल मीडिया सेंसेशन बन गए हैं। अब उन्हें लेकर कंगना रनौत का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है, जिसमें वे उनसे फ्लर्ट करने का किस्सा सुना रही हैं।

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना लगभग तीन दशकों से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। लेकिन दिसंबर में फिल्म धुरंधर रिलीज होने के बाद वह पहले से कहीं ज्यादा चर्चा में आ गए। इसी बीच उनसे जुड़ा एक पुराना वीडियो फिर से सुर्खियां बटोर रहा है। हालांकि यह वीडियो अक्षय खन्ना का नहीं, बल्कि कंगना रनौत का है, जिसमें वह अक्षय के बारे में बात कर रही हैं।

यार ये मुझे देखता ही नहीं

कंगना का यह वायरल वीडियो साल 2010 का है। जब कंगना रनौत, अनिल कपूर और संजय दत्त के साथ करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में पहुंची थीं। शो के दौरान जब करण जौहर ने कंगना से पूछा कि क्या उन्होंने कभी किसी से फ्लर्ट किया और सामने से कोई रिएक्शन नहीं मिला, तो कंगना ने अक्षय खन्ना का नाम लिया। यह सुनकर सब हंस पड़े। संजय दत्त हैरान भी रह गए, जबकि अनिल कपूर ने कहा, हां, इसने मुझे बताया था। यह कह रही थी- यार ये मुझे देखता ही नहीं है।

अक्षय ने कभी मुझसे बात ही नहीं की

इस पर कंगना ने आगे कहा, मैंने उनसे बात करने की कोशिश की, फिर सोचा थोड़ा फ्लर्ट करूं। लेकिन उन्होंने कभी मुझसे बात ही नहीं की। जब करण ने पूछा कि ऐसा क्यों, तो कंगना ने जवाब दिया, वो किसी से बात ही नहीं करते। इस पर अनिल कपूर ने मुस्कुराते हुए कहा, वो मुझसे बहुत अच्छे से बात करते हैं। वो मेरे छोटे भाई जैसे हैं।

साल 2010 में कंगना रनौत और अक्षय खन्ना पहली बार अनीस बज्मी की एक्शन-कॉमेडी फिल्म नो प्रॉब्लम में साथ नजर आए थे। फिल्म भले ही बड़ी हिट नहीं रही, लेकिन दोनों की मौजूदगी ने स्क्रीन पर अलग ही रंग जमा दिया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे अक्षय खन्ना

वर्कफ्रंट की बात करें, तो अक्षय खन्ना की आगामी फिल्म इक्का है, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ये एक थ्रिलर मूवी है। इसमें उनके साथ लीड रोल में सनी देओल नजर आएंगे।

वहीं, कंगना रनौत इस समय बतौर सांसद सक्रिय हैं। उन्होंने अभिनय करना भी छोड़ा नहीं है। वे आखिरी बार फिल्म 'इमरजेंसी' में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आई थीं। इसके अलावा भी वह कुछ फिल्म प्रोजेक्ट्स पर काम रही हैं। जिन्हें लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई हैं।

ओ रोमियो की ओटीटी रिलीज डेट तय? शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी अभिनीत क्राइम-थ्रिलर फिल्म कब और कहां देखे सकेंगे

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लेकिन क्या आपको पता है कि विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो' ओटीटी पर कब और कहां देखे सकेंगे?

विशाल भारद्वाज की नई फिल्म 'ओ रोमियो' 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह शाहिद और विशाल की चौथी

फिल्म है। इससे पहले दोनों साथ में फिल्म 'कमीने', 'हैदर' और 'रंगून' कर चुके हैं। जानिए 'ओ रोमियो' ओटीटी पर कब और किस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगी।

ओटीटी पर कब आएगी 'ओ रोमियो' ?

फिल्म 'ओ रोमियो' थिएटर में रिलीज होने के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। आमतौर पर थिएटर में 45-60 दिनों तक चलने के बाद ओटीटी पर स्ट्रीम हो सकती है। इसलिए, यह फिल्म मार्च के आखिर या अप्रैल 2026 तक ओटीटी पर देखी जा सकती है। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 'ओ रोमियो' 27 मार्च तक भी ओटीटी पर स्ट्रीम हो सकती है, लेकिन अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

फिल्म 'ओ रोमियो' की कहानी

फिल्म 'ओ रोमियो' एक गैंगस्टर की कहानी है, जिसमें खूब एक्शन, हिंसा और रोमांस का मिश्रण है। शाहिद कपूर एक खतरनाक कॉन्ट्रैक्ट किलर और गैंग लीडर का किरदार निभा रहे हैं, जो टैटू से भरे हुए हैं। कहानी उनकी और अफशा (तृप्ति डिमरी) के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। अफशा मदद मांगने आती है और फिर एक गहरी, जुनूनी और दुख भरी प्रेम कहानी शुरू होती है। साथ ही, फिल्म में दुश्मन गिरोहों के बीच फंसाव और नैतिक उलझन भी दिखाई गई है।

'ओ रोमियो' की स्टार कास्ट

विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो' हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' में हुसैन उस्तारा की कहानी से प्रेरित है। इसमें शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के अलावा अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, फरीदा जलाल, दिशा पाटनी और तमन्ना भाटिया जैसे कलाकार हैं।

क्या ट्रैक पर फिर दौड़ेगी ब्रैड पिट की रेसिंग कार फिल्म एफ 1 के सीक्वल को लेकर निर्देशक ने दिया बड़ा अपडेट

पिछले साल हॉलीवुड एक्टर ब्रैड पिट की फिल्म एफ 1 रिलीज हुई थी। इस फिल्म के सीक्वल का अब फैंस इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के प्रोड्यूसर से इस बात से पर्दा उठाया कि एफ 1 का सीक्वल बनेगा या नहीं?

भारत में हॉलीवुड फिल्मों का भी अच्छा-खासा बाजार है। पिछले साल हॉलीवुड के नामी एक्टर टॉम क्रूज की फिल्म मिशन इंपॉसिबल 8 और ब्रैड पिट की फिल्म एफ 1 रिलीज हुई। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ब्रैड पिट की फिल्म एफ 1 ने पिछले साल अच्छा-खासा कलेक्शन किया था। अब दुनिया भर के दर्शकों के अलावा भारतीय दर्शकों को इस फिल्म के सीक्वल का इंतजार है। हाल ही में इस बारे में एक नया अपडेट सामने आया है।

प्रोड्यूसर की बात पर फैंस होंगे खुश

हाल ही में फिल्म एफ 1 के प्रोड्यूसर जैरी ब्रुकहाइमर ने बीबीसी से की गई बातचीत में कहा, हम एक सीक्वल पर काम कर रहे हैं। प्रोड्यूसर का बस इतना कहना था और सोशल मीडिया पर यह अटकलें तेज हो गईं कि ब्रैड पिट की फिल्म एफ 1 का सीक्वल बनेगा। लेकिन इसकी कहानी पहली फिल्म से आगे बढ़ेगी या अलग होगी, इस बारे में मेकर्स ने कोई जानकारी साझा नहीं की है।

क्या थी हॉलीवुड फिल्म एफ 1 की कहानी

फिल्म ऋ की एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, इसमें ब्रैड पिट ने एक रेसर (रेसिंग ड्राइवर) के रोल में हैं। जो तीस साल के बाद फॉमूर्ला वन रेसिंग में वापस आता है। वह अपने एक साथी की टीम को टूटने से बचाने के लिए यह फैसला लेता है। फिल्म में रेसिंग सीन कमाल के हैं। जो लोग रेसिंग या रेस ड्राइविंग को पसंद करते हैं, उनके लिए यह फिल्म एक शानदार एक्सपीरियंस है। सीक्वल में भी ऐसा ही अनुभव फैंस को मिल सकता है।

मुझे पैनिक अटैक आते थे, अर्चना पूरन सिंह के बेटे आर्यमान ने साझा किया डिप्रेशन का दर्द सपना हो गया चकनाचूर

अर्चना पूरन सिंह के बेटे आर्यमान सेठी ने अपने डिप्रेशन में जाने के सफर के बारे में बात की। जानिए क्या थी डिप्रेशन में जाने की वजह और कौनसा सपना नहीं हो सका पूरा

पल में टूटा फुटबॉलर बनने का सपना

वीडियो व्लॉग में अपने साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए आर्यमन ने उस वक्त का जिक्र किया जब वो इंग्लैंड की क्वींस पार्क रेंजर्स टीम के लिए खेल फुटबॉल रहे थे। वो इंग्लिश प्रीमियर लीग में खेलने का सपना देख रहे थे, तभी अचानक उन्हें एक बड़ा झटका लगा। इस निर्णायक मोड़ के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि सबसे मुश्किल बात घर छोड़ना था। मैंने घर छोड़कर इंग्लैंड में फुटबॉल खेलने का फैसला किया था और आप लोगों ने इसे मुमकिन बनाया। मैं 14 साल की उम्र में घर से निकला था। मैं वहां तीन हफ्ते रहा और जैसे ही मैं वहां बसने लगा, मेरा पैर टूट गया। उसके बाद मेरे लिए बहुत मुश्किल हो गई। फिर मैं भारत वापस आया और अस्पताल में भर्ती हुआ। मुझे बैसाखियां दी गईं और मेरी सर्जरी हुई।

मुझे एंग्जायटी अटैक आते थे

आर्यमान ने आगे बताया कि चोट के बावजूद मैं अगले साल फिर वहां गया और तब मैं दसवीं कक्षा में था। इसलिए मुझे पढ़ाई भी खूब करनी पड़ी। मैं ठीक से खेल नहीं पा रहा था, क्योंकि मैं अभी भी सर्जरी से उबर रहा था। अपने आस-पास के सभी लोगों को उस उम्र में तेजी से और मजबूत होते देखकर, जब ऐसा होना चाहिए, मैं पीछे जा रहा था। मैं उनसे तालमेल नहीं बिठा पा रहा था। वह सपना टूट जाने के बाद मैं डिप्रेशन में चला गया। मुझे पैनिक अटैक आते थे, एंग्जायटी अटैक आते थे, मेरे हाथ कांपते थे, मुझे इतने गंभीर डिप्रेशन के दौरे पड़ते थे कि मैं अपने कमरे से बाहर तक नहीं निकलता था और सारा दिन वहीं पड़ा रहता था। लंदन मेरे लिए बहुत कठिन था।

परिवार ने दिया मेरा साथ

हालांकि, ऐसे मुश्किल वक्त में भी आर्यमान का परिवार उनके साथ खड़ा रहा। उन्होंने बताया कि डिप्रेशन में दिलासा देने से मदद नहीं मिलती, केवल उस व्यक्ति के साथ समय बिताने से ही मदद मिलती है। आप सभी ने मेरे साथ समय बिताया है। मां ने सबसे अधिक सहयोग दिया है। मुझे अपने माता-पिता दोनों से ही असफल होने का डर मिला था। हर साल जब मेरा जीवन स्थिर नहीं होता था, तो मेरी हालत और खराब होती जाती थी।

एक समय ऐसा आया जब मैं इतना हताश हो गया कि सोचने लगा कि कुछ भी चलेगा, कुछ भी काम कर लूंगा। तभी मुझे एहसास हुआ कि मैं संगीत ही करना चाहता हूं और अगर मैं इसे करता रहूं तो खुश रहूंगा। अब मुझे डिप्रेशन नहीं है, जो बहुत अच्छी बात है। अब पैनिक अटैक भी नहीं आते। अर्चना पूरन सिंह और परमीत सेठी ने 1992 में शादी की थी। अब कपल दो बेटों आर्यमन सेठी और आयुष्मान सेठी के माता-पिता हैं।

प्यार के लिए छोड़ा कनाडा, नौ साल का है फासला कौन हैं राजपाल यादव की दूसरी पत्नी

अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव इन दिनों चैक बाउंस केस में तिहाड़ जेल में हैं। इस बीच चर्चा उनके करियर और निजी जिंदगी पर भी चल पड़ी है। आइए नजर डालते हैं राजपाल के परिवार में कौन-कौन हैं?

एक्टर और कॉमेडियन राजपाल यादव अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर हैं। कई फिल्मों में अपनी कॉमेडी से उन्होंने जान फूंक दी है। इन दिनों राजपाल तिहाड़ जेल में हैं। एक चेक बाउंस मामले के संबंध में उन्होंने बीते दिनों तिहाड़ में आत्मसमर्पण किया था। उन्होंने बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। कई बड़े सितारे उनकी मदद को आगे आए हैं। इस बीच चर्चा उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी चल ही है। एक्टर की पत्नी कौन हैं? और, उनके परिवार में कौन-कौन हैं? जानिए

आर्मी जॉइन करना चाहते थे राजपाल

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के कुण्डरा गांव में जन्मे राजपाल यादव ने फिल्मी दुनिया में बड़ा नाम कमाया है। उनकी राह संघर्षों से भरी रही। राजपाल यादव का जन्म 16 मार्च 1971 को यूपी के शाहजहांपुर के कुण्डरा गांव में हुआ। उनके पिता नौरंग यादव किसान थे। 24 जनवरी 2025 को नौरंग यादव का निधन हो गया। राजपाल यादव छह भाई हैं। एक्टर का बचपन गांव के कच्चे मकान में बीता। परिवार की माली हालत ठीक नहीं होने के बावजूद राजपाल यादव के पिता ने उनकी शिक्षा पर जोर दिया। उनका दाखिला दूर शहर के स्कूल में कराया। राजपाल बचपन से ही जिंदगी में कुछ बड़ा करना चाहते थे। वे आर्मी जॉइन करना चाहते थे, लेकिन छोटे कद के कारण ऐसा नहीं हो सका। फिर, उन्होंने अभिनय की दुनिया में नाम कमाने का सपना देखा।

राजपाल के परिवार में कौन-कौन?

एक्टिंग की ट्रेनिंग के बाद किया मायानगरी का रुख

राजपाल यादव ने साल 1992 में थिएटर जॉइन किया। उन्होंने भारतेंदु नाट्य अकादमी में दाखिला लिया। दो साल थिएटर करने के बाद दिल्ली में एनएसडी गए। वहां एक्टिंग कोर्स करने के बाद 1997 में मुंबई पहुंचे। राजपाल यादव ने करियर की शुरूआत छोटे परदे से की। फिर साल 1999 में उन्हें पहली फिल्म मिली। और आज तक यह सिलसिला जारी है। निजी जिंदगी की बात करें तो राजपाल यादव ने दो शादियां रचाई हैं। दूसरी पत्नी राजपाल यादव के लिए कनाडा छोड़ भारत चली आईं। दोनों के बीच गजब की बॉन्डिंग है।

पहली पत्नी के निधन से बुरी तरह टूटे

राजपाल यादव ने कड़ी मेहनत कर गरीबी जैसे हालातों को तो हरा दिया। मगर, किस्मत ने भी उन्हें धोखा दे दिया। दरअसल, अभिनेता की पत्नी करुणा का निधन हो गया। पहली पत्नी से उनकी एक बेटी ज्योति है। करुणा का निधन, बेटी को जन्म देने के बाद हुआ था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजपाल यादव जब 20 साल के थे तब परिवार वालों ने उनकी शादी करुणा से कराई थी। मगर, डिलीवरी के कुछ ही वक्त बाद करुणा दुनिया छोड़ गईं। पत्नी के निधन से राजपाल यादव बुरी तरह टूट गए थे।

इस तरह जिंदगी में आई राधा

पहली पत्नी के निधन के बाद राजपालय यादव दूसरी शादी नहीं करना चाहते थे। उन्होंने अकेले ही बेटी ज्योति की परवरिश की जिम्मेदारी उठाई। मगर, करुणा के निधन के कई साल बाद साल 2003 में शूटिंग के दौरान उनकी मुलाकात राधा से हुई। दोनों के बीच काफी नजदीकियां बढ़ गईं और दोनों एक-दूसरे को डेट करने लगे। फिर शादी का फैसला लिया।

राधा को दिया था सरप्राइज

कनाडा में जन्मीं राधा को राजपाल पहली नजर में ही पसंद आ गए थे। एक इंटरव्यू के दौरान राधा ने बताया था, 'मैं जब पहली बार मुंबई पहुंची थी, तब राजपाल मुझे अपने घर लेकर गए थे। उन्होंने मुझे सरप्राइज देने के लिए घर का इंटीरियर उसी होटल की तरह करवाया था, जैसा कनाडा के उस होटल का था, जहां हम पहली बार मिले थे'। बता दें कि राजपाल यादव और राधा के बीच उम्र का अच्छा-खासा फासला है। राधा एक्टर से नौ साल छोटी हैं। राधा के साथ राजपाल यादव की दो बेटियां हर्षिता और रेहांशी हैं। एक्टर अपनी तीनों बेटियों को मोनी, हनी और रेहू कहकर पुकारते हैं।

तीनों बेटियों में बसती है एक्टर की जान

राजपाल यादव अपनी बड़ी बेटी ज्योति की शादी कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ज्योति के पति संदीप यादव बैंक में कार्यरत हैं। अपनी तीनों बेटियों में राजपाल यादव की जान बसती है। जेल जाने से पहले अभिनेता भावुक थे। उन्होंने अपनी आर्थिक तंगी का जिक्र करते हुए कहा था कि वे अब अकेले पड़ गए हैं। हालांकि, उनका परिवार और खासकर उनकी बेटियां ही वह वजह हैं, जिनके लिए वे दोबारा संघर्ष करने की हिम्मत जुटा रहे हैं।

बचपन की सहेलियां ट्रेन से कटीं,एक की 6 महीने पहले हुई थी शादी

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ के रहीमाबाद थाना क्षेत्र में हादसा हो गया। यहां मनकोटी गांव के पास ट्रेन पटरी पर बचपन 2 सहेलियां कट गईं। एक लड़की की 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। वह आज (11 फरवरी) ही सुबह मायके आई थी। कुछ देर बाद दोनों की डेडबॉडी ट्रेन पटरी पर मिली। ट्रेन से लड़कियों के कटने की सूचना पर गांववाले घटनास्थल पहुंच गए। घटना बेलवा रेलवे फाटक के पास की है। यह मनकोटी से करीब 1 किमी दूर है। मृतक सहेलियां रहीमाबाद के मनकोटी गांव की थीं। गांववालों के अनुसार, वे दोनों हरपल साथ ही रहती थीं। आज दोनों की साथ ही मौत हो गई। रहीमाबाद थाना पुलिस के अनुसार, मृतक युवतियों की उम्र 20 और 23 साल है। 20 वर्षीय शशि पुत्री अशर्फी लाल और 23 वर्षीय नीतू पुत्री बुद्धा की मौत हुई। इन दोनों की ट्रेन से कटने की जांच की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि वे ट्रैक पार रही थीं लेकिन दूसरे एंगल पर भी जांच की जा रही है। नीतू के मायके आने के बाद दोनों घर से निकलीं और ट्रेन से टकराकर उनकी मौत हो गई। आशंका है कि दोनों ने सुसाइड किया होगा। बहरहाल जांच और पूछताछ के बाद पता चल सकेगा कि आखिर यह हादसा था या सुसाइड। पड़ोसियों का कहना है कि नीतू और शशि बचपन से ही हरपल साथ रहती थीं। नीतू की शादी 6 महीने पहले हुई थी। उसका पति इशू चंडीगढ़ में रहकर काम करता है। उसकी शादी उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र के धनियाखेड़ा गांव में हुई थी। नीतू आज ही अपने मायके आई हुई थी। अपनी सहेली शशि के साथ गांव के बाहर निकली।

बांग्लादेश के पूर्व राजदूत ने उठाए सवाल, कहा- इतिहास का सबसे खराब होगा ये चुनाव

ढाका। 12 फरवरी को होने वाले चुनावों से पहले पूर्व राजदूत (निर्वासित) मोहम्मद हारून अल राशिद ने बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक थिंक टैंक से बात करते हुए दावा किया कि ये चुनाव बांग्लादेश के इतिहास का सबसे बदसूरत चुनाव साबित होगा। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने जा रहे हैं। शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद देश में यह पहला चुनाव है। जिस पर पूरी दुनिया की नजर है। इस बीच चुनावों से ठीक पहले निर्वासित पूर्व राजदूत मोहम्मद हारून अल राशिद ने बड़े आरोप लगाए हैं। अनुभवी राजदूत (अब निर्वासित) मोहम्मद हारून अल राशिद ने चुनावों की विश्वसनीयता को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि बांग्लादेश के अब तक के इतिहास का ये 'सबसे बदसूरत' यानी खराब चुनाव होगा। एक बड़े थिंक टैंक से बातचीत में मोहम्मद हारून अल राशिद ने चुनावों पर अपनी राय रखी। उन्होंने चेतावनी दी कि अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस, जो लंबे समय से खराब चीजों को अच्छाई के तौर पर रीपैकेज करके खुद को बचाए हुए हैं, अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। 'इस बार यूनुस बच नहीं पाएंगे' श्रीलंका के थिंक टैंक ट्रिंको सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज (टीएसएसटी) के साथ बातचीत में राशिद ने कहा, 'यूनुस हर चीज को 'खूबसूरत' कहते हैं, लेकिन मैं मानता हूं यह चुनाव बांग्लादेश के इतिहास का सबसे बदसूरत चेहरा दिखाएगा। मैं ऐसा कोई बढ़ा-चढ़ाकर बोलने के लिए नहीं कर रहा। यूनुस लंबे समय से घटिया चीजों को अच्छाई के तौर पर रीपैकेज कर खुद को बचा रहे हैं। इस बार, वह बच नहीं पाएंगे।' उन्होंने

और उसके साथी हैं। बीएनपी और जमात की इनसे की तुलना टीएसएसटी से बात करते हुए राशिद ने कहा कि विचारधारा के हिसाब से बीएनपी मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी है भले ही स्ट्रक्चर के हिसाब से नहीं, जबकि जमात फलस्तीन में हमास जैसी है। उन्होंने कहा कि दोनों में से कोई भी लोकतांत्रिक मूल्यों को सामने नहीं रखता और दोनों ही इस्लामिक कट्टरपंथ का प्रतिनिधित्व करते हैं। राशिद ने आगे कहा, 'किसी भी असली लोकतांत्रिक पार्टी को चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं दी गई है। यूनुस खुलेआम नतीजे को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वह अगली सरकार के केंद्र में बने रहें। उनके पसंदीदा साथी जमात और उससे जुड़े लोग हैं, जिसमें एनसीपी भी शामिल है। इसके कैडर ने 2024 की जिहादी हिंसा के दौरान तथाकथित कोटा मूवमेंट के नाम पर सुसाइड ऑपरेटिव के तौर पर काम किया था।' बांग्लादेश की घटना को बताया पूरी इंसानियत के लिए झटका उन्होंने जोर देकर कहा कि आप चाहें तो इसे इलेक्शन कह सकते हैं। यह ऐसा कुछ नहीं है। राशिद से जब पूछा गया कि एक ऐसा देश जो पहले धर्मनिरपेक्ष गणतंत्र के तौर पर पहचाना जाता था, अब उसे आतंक के चश्मे से देखा जाने लगा है। ऐसे में वे बांग्लादेश की बदलती छवि को कैसे देखते हैं? इस पर उन्होंने कहा कि यह बदलाव न सिर्फ बांग्लादेश के लिए बल्कि 21वीं सदी में पूरी इंसानियत के लिए एक झटका है। उन्होंने आगे कहा, यूनुस के हड़पे हुए अठारह महीनों के राज से हुई तबाही ने दशकों की तरक्की को खत्म कर दिया है। इसने शेख हसीना के राज में बड़ी मेहनत से बनाई गई अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है और बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष पहचान, ऐतिहासिक यादों और उसके मुक्ति संग्राम की नैतिक विरासत को एक प्रक्रिया के तहत खत्म कर दिया है। यह सिर्फ राजनीतिक गिरावट नहीं है; यह पूरी सभ्यता के खिलाफ बर्बरता है।

सोशल मीडिया की लत पर ऐतिहासिक मुकदमा, बच्चों को नुकसान के लिए मेटा-यूट्यूब को जिम्मेदार ठहराने की मांग

वॉशिंगटन। लॉस एंजिलिस में सोशल मीडिया की लत को लेकर ऐतिहासिक मुकदमे की सुनवाई शुरू हुई है। वादी पक्ष ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया कि व्यवहारिक नुकसान के लिए जिम्मेदार ठहराने की मांग उठी है। डिजाइन से लत लगाने का आरोप वादी पक्ष ने अदालत में कहा कि मेटा और यूट्यूब ने ऐसे डिजाइन

उनके प्लेटफॉर्म जानबूझकर बच्चों को लती बनाने वाले डिजाइन का इस्तेमाल करते हैं। कंपनियों के आंतरिक दस्तावेज भी पेश किए गए। आइए इस मामले को विस्तार से जानते हैं। बच्चों और किशोरों में सोशल मीडिया की बढ़ती लत को लेकर अमेरिका में बड़ा कानूनी मोर्चा खुल गया है। लॉस एंजिलिस में एक ऐतिहासिक मुकदमे की शुरूआती सुनवाई हुई, जिसमें आरोप लगाया गया कि बड़े सोशल मीडिया मंच जानबूझकर बच्चों को स्क्रीन का आदी बना रहे हैं। इस मामले में इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी मेटा और गूगल के यूट्यूब को बच्चों को हुए मानसिक और विकल्प अपनाए जो बच्चों को बार-बार प्लेटफॉर्म पर लौटने के लिए उकसाते हैं। आरोप है कि यह केवल तकनीकी सुविधा नहीं बल्कि सोच-समझकर बनाई गई रणनीति है। पहले इस मुकदमे में टिकटॉक और स्नैप का नाम भी शामिल था, लेकिन दोनों कंपनियों ने अज्ञात राशि पर समझौता कर लिया। अब मुख्य सुनवाई मेटा और यूट्यूब पर केंद्रित है। कंपनियों का जवाब और वैज्ञानिक बहस मेटा की ओर से पेश वकील पॉल श्मिट ने अदालत में कहा कि सोशल मीडिया लत पर वैज्ञानिक समुदाय में एक राय नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि लत का दावा अभी भी बहस का विषय है। यूट्यूब की ओर से वकील ने भी अपने प्रारंभिक जवाब की तैयारी की। अदालत में दोनों पक्षों के बीच प्लेटफॉर्म के असर और जिम्मेदारी को लेकर तीखी बहस देखने को मिली। आंतरिक दस्तावेजों का हवाला वादी पक्ष के वकील ने गूगल और मेटा के आंतरिक दस्तावेज और ईमेल का भी जिक्र किया। अदालत में बताया गया कि कुछ आंतरिक नोट्स में उत्पादों की तुलना कैसीनो मॉडल से की गई थी। मेटा कर्मचारियों के बीच संवाद का हवाला देते हुए कहा गया कि इंस्टाग्राम को नशे जैसा बताया गया था। वकील ने सोशल मीडिया कंपनियों की तुलना तंबाकू कंपनियों से भी की। बच्चों की मानसिक कमजोरी पर फोकस सुनवाई में यह भी कहा गया कि कंपनियों को पता था कि तनाव और भावनात्मक दबाव झेल रहे बच्चे लत के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं। एक आंतरिक शोध का जिक्र करते हुए बताया गया कि किशोरों और उनके माता-पिता पर सर्वे में यह बात सामने आई थी। आरोप है कि कंपनियों ने इन जानकारियों के बावजूद डिजाइन नहीं बदला। मुकदमे को बच्चों की डिजिटल सुरक्षा से जुड़ा बड़ा कानूनी परीक्षण माना जा रहा है।

आधे से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील कड़ी सुरक्षा के बीच लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ढाका। बांग्लादेश में महीनों से चला आ रहा सियासी तनाव अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। कल होने वाले आम चुनाव न सिर्फ सत्ता का फैसला करेंगे, बल्कि देश की स्थिरता की भी परीक्षा लेंगे। ऐसे में मतदान को लेकर क्या तैयारियां है? ये एक बड़ा सवाल बना हुआ है। इसका बड़ा कारण ये भी है कि देश के आधे से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील माने जा रहे हैं। बांग्लादेश महीनों से उबलते सियासी घमासान के बाद अब फैसले की दहलीज पर खड़ा है। कल यानी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सरकार चुनने की कवायद नहीं, बल्कि देश की कानून-व्यवस्था, लोकतंत्र और स्थिरता की भी अग्निपरीक्षा हैं। ऐसे में चुनाव आयोग का हालिया बयान इस चुनाव और मतदान को लेकर सियासी टकराव और इसकी गंभीरता को उजागर कर रहा है। बांग्लादेश चुनाव आयोग का मानना है कि देश के आधे से ज्यादा मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित किए गए हैं। इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। साथ ही इन केंद्रों पर खास निगरानी भी रखी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, करीब 90 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर सीसीवीटी कैमरे लगाए गए हैं। राजधानी ढाका में तैनात कई पुलिसकर्मी पहली बार बॉडी कैमरा पहनकर ड्यूटी करेंगे, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके। जोखिम के आधार पर सुरक्षा चुनाव आयुक्त अबुल फजल मोहम्मद सनाउल्लाह ने मंगलवार देर रात मीडिया को बताया कि चुनाव आयोग की सुरक्षा योजना जोखिम के आकलन पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हर इलाके की स्थिति को देखकर सुरक्षा बलों की तैनाती की जा रही है। चुनाव आयोग का कहना है कि यह चुनाव देश के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी सुरक्षा तैनाती के साथ कराया जा रहा है और तकनीक का भी सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। पुलिस और सेना के अलग-अलग आंकड़े पुलिस महानिरीक्षक बहादुरुल आलम ने बताया कि देश के करीब 43,000 मतदान केंद्रों में से 24,000 केंद्र उच्च या मध्यम स्तर के संवेदनशील हैं। पुलिस के अनुसार ढाका के 2,131 मतदान केंद्रों में से 1,614 केंद्र संवेदनशील हैं। हालांकि, सेना ने एक अलग मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि ढाका शहर में केवल दो केंद्र ही जोखिम भरे हैं। ऐसे में इन आंकड़ों में अंतर को लेकर सवाल भी उठे हैं। बांग्लादेश चुनाव में पहली बार बॉडी कैमरा अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील मतदान केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मी पहली बार बॉडी-वॉर्न कैमरा इस्तेमाल करेंगे। इससे किसी भी तरह की गड़बड़ी को रिकॉर्ड किया जा सकेगा। वहीं चुनाव आयुक्त सनाउल्लाह ने कहा कि चुनाव आयोग मौजूदा कानून-व्यवस्था से काफी हद तक संतुष्ट है। उनका कहना है कि पहले के मुकाबले इस बार स्थिति कहीं बेहतर है। मतदाता और पहली बार वोट देने वाले चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार इस बार के चुनाव में कुल 12 करोड़ 77 लाख से ज्यादा मतदाता मतदान करेंगे। पहली बार वोट देने वाले मतदाता करीब 3.58 प्रतिशत हैं। खास बात यह भी है कि इस बार चुनाव एक जनमत संग्रह के साथ हो रहे हैं, जिसमें 84 बिंदुओं वाले जटिल सुधार प्रस्ताव पर जनता की राय ली जा रही है। दूसरी ओर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी (जो पहले बीएनपी की सहयोगी थी) के बीच कड़ा मुकाबला भी माना जा रहा है।

कनाडा के स्कूल में गोलीबारी, हमलावर समेत दस की मौत

टोरंटो। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के टम्बलर रिज के

एक सकेंडरी स्कूल में भीषण गोलीबारी की खबर सामने आ रही है। इस गोलीबारी में हमलावर समेत दस लोगों की मौत हो गई। साथ ही कई लोगों के घायल होने की भी खबर सामने आ रही है। शहर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां एक स्कूल में हुई गोलीबारी में हमलावर समेत दस लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी मंगलवार को कनाडाई पुलिस ने दी। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के अनुसार, संदिग्ध हमलावर मृत पाया गया है। पुलिस का मानना है कि उसने खुद को गोली मारी। हालांकि, अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस घटना में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था। बता दें कि गोलीबारी टम्बलर रिज नामक छोटे शहर में हुई, जिसकी आबादी लगभग 2,400 लोग है। पुलिस ने लोगों से घर के अंदर रहने और सुरक्षित रहने की अपील की है। आसपास के क्षेत्रों से अतिरिक्त पुलिस बल भी भेजे गए हैं। स्कूलों में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट ने बताया कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल और टम्बलर रिज एलीमेंट्री स्कूल को पूरी तरह बंद कर दिया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ाई गई है। बता दें कि टम्बलर रिज सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 7 से 12 तक लगभग 175 छात्र पढ़ते हैं। भारी सुरक्षा और मेडिकल सहायता पीस रिवर साउथ के विधायक लौरी न्यूफेल्ड ने कहा कि इस घटना के बाद पुलिस और एंबुलेंस जैसी अतिरिक्त टीमें भेजी गई हैं। उन्होंने सुरक्षा कारणों से ज्यादा जानकारी साझा करने से इनकार किया। उन्होंने समुदाय के लोगों से अपील की है कि जो लोग अपने परिजनों को ढूंढ रहे हैं, कृपया घर लौट जाएं और पुलिस को काम करने दें। कैनेडियन माउंटेड पुलिस इस खूबसूरत शहर को फिर से सुरक्षित बनाएगी।

ट्रंप अपनी ही पार्टी के सांसदों से घिरे चुनाव में धांधली की जांच में दखल पर कटघरे में राष्ट्रपति

वॉशिंगटन। 2020 चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिशों की जांच अब नए विवाद में बदल गई है। रिपब्लिकन सांसदों का आरोप है कि अभियोजकों ने 6 जनवरी 2021 से जुड़े मामले में उनके फोन रिकॉर्ड लेकर निजता का उल्लंघन किया। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सिर्फ कॉल का समय और अवधि ली गई, बातचीत की सामग्री नहीं। इस मामले में सीनेट में तीखी बहस छिड़ी है। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से 2020 के चुनाव नतीजों को पलटने की कोशिशों की जांच को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपब्लिकन सांसदों ने आरोप लगाया है कि जांच के दौरान कुछ मौजूदा सांसदों के फोन रिकॉर्ड हासिल करने के लिए हद से ज्यादा दखल देने वाले तरीके अपनाए गए। मंगलवार को सीनेट की एक सुनवाई में रिपब्लिकन नेताओं ने बड़ी टेलीकॉम कंपनियों से सवाल किए कि उन्होंने अभियोजकों को सांसदों के फोन रिकॉर्ड क्यों दिए? मामले में रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि अगर ऐसा किसी डेमोक्रेट सांसद के साथ होता, तो यह दुनिया भर की सुर्खियां बनता। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मेरे साथ जो हुआ, मैं उसका हकदार था। जांच के दौरान अभियोजकों ने उन सांसदों के कॉल रिकॉर्ड लिए थे, जिनसे ट्रंप ने 6 जनवरी 2021 को संपर्क किया था। उस दिन कांग्रेस में जो बाइडन की जीत की पुष्टि हो रही थी। हालांकि, अधिकारियों ने साफ किया कि रिकॉर्ड में सिर्फ यह जानकारी थी कि कॉल कब हुई और कितनी देर चली। बातचीत की सामग्री रिकॉर्ड नहीं की गई थी। 20 रिपब्लिकन सांसदों के रिकॉर्ड मांगे गए सीनेट न्यायिक समिति के अध्यक्ष चक ग्रासले ने बताया कि कुल मिलाकर 20 मौजूदा या पूर्व रिपब्लिकन सांसदों के फोन रिकॉर्ड के लिए समन जारी किए गए थे। वहीं डेमोक्रेट सांसदों ने रिपब्लिकन नेताओं की नाराजगी को गलत बताया। उनका कहना है कि 6 जनवरी 2021 को ट्रंप समर्थकों ने कैपिटल भवन पर हमला किया था, जो लोकतंत्र पर बड़ा हमला था। ऐसे में यह जांच जरूरी था। डेमोक्रेट सीनेटर शेल्डन व्हाइटहाउस ने कहा कि न्याय विभाग की जांच, कैपिटल पर हुए हमले से ज्यादा गंभीर नहीं थी। वहीं पूर्व संघीय अभियोजक माइकल रोमानो ने भी कहा कि फोन कॉल के रिकॉर्ड जुटाना किसी भी आपराधिक जांच में सामान्य प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से रिकॉर्ड जुटाए जाने से कोई नुकसान नहीं हुआ। कंपनियों ने कहा- हमने कानून का पालन किया टेलीकॉम कंपनियों के वकीलों ने सुनवाई में कहा कि उन्होंने सिर्फ कानून का पालन किया। वेरिजोन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी क्रिस मिलर ने कहा कि हमें कानून के तहत यह जानकारी देने के लिए बाध्य किया गया था। हम वैध कोर्ट ऑर्डर को नजरअंदाज नहीं कर सकते। उन्होंने यह भी बताया कि समन में यह नहीं बताया गया था कि ये नंबर सांसदों के हैं। साथ ही, कोर्ट के आदेश के कारण कंपनी संबंधित नेताओं को पहले से सूचना भी नहीं दे सकती थी। अन्य मोबाइल कंपनियों के बयान भी मिले जुले इसके साथ ही टी-मोबाइल और एटीएंडटी ने भी इसी तरह का बयान दिया। एटीएंडटी के अधिकारी डेविड मैकएटी ने कहा कि एक मामले में उन्होंने विशेष कानूनी सुरक्षा (संविधान की स्पीच या डिबेट क्लॉज) को लेकर सवाल उठाया, लेकिन बाद में अभियोजकों ने वह समन वापस ले लिया। वेरिजोन ने कहा है कि अब से सांसदों से जुड़ी जानकारी देने से पहले कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया जाएगा। जहां संभव होगा, संबंधित सांसद को भी जानकारी दी जाएगी और गोपनीयता आदेश को चुनौती दी जाएगी।

हिंसा के मुहाने पर दक्षिण सूडान संयुक्त राष्ट्र ने दी कड़ी चेतावनी जानें क्यों बढ़ रहा राजनीतिक गतिरोध

वॉशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि दक्षिण सूडान राजनीतिक गतिरोध और बढ़ती हिंसा के कारण खतरनाक कगार पर पहुंच गया है। सरकार और विपक्ष बड़े टकराव की तैयारी में हैं। जोंगलेई राज्य में हिंसा, बमबारी और विस्थापन बढ़ा है। 2018 का शांति समझौता ही एकमात्र रास्ता बताया गया है। दक्षिण सूडान में बढ़ते राजनीतिक टकराव और हिंसा को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने गंभीर चेतावनी जारी की है। संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों के प्रमुख ने कहा है कि देश खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते अविश्वास और टकराव से हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को फिर से बातचीत की मेज पर लाने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों के अवर महासचिव जीन-पियरे लाक्रोआ ने सुरक्षा परिषद को बताया कि राजनीतिक गतिरोध अब सीधे हिंसा में बदल रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष खुद को आत्मरक्षा में कार्रवाई करने वाला बता रहे हैं, लेकिन साथ ही बड़े पैमाने पर लड़ाई की तैयारी भी कर रहे हैं। उन्होंने साफ कहा कि अगर जल्द संवाद शुरू नहीं हुआ तो हालात और खतरनाक हो सकते हैं। गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि और अधूरा शांति समझौता दक्षिण सूडान ने वर्ष 2011 में सूडान से अलग होकर आजादी पाई थी। लेकिन दिसंबर 2013 में जातीय आधार पर गृहयुद्ध छिड़ गया। राष्ट्रपति साल्वा कीर के समर्थक गुट और रीक मचार के समर्थक गुट आमने-सामने आ गए। इस संघर्ष में चार लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। वर्ष 2018 में शांति समझौता हुआ और राष्ट्रीय एकता सरकार बनी, जिसमें कीर राष्ट्रपति और मचार उपराष्ट्रपति बने। लेकिन समझौते का पूरा पालन अब तक नहीं हो पाया है। हालिया तनाव और राजद्रोह के आरोप मार्च 2025 में तनाव बड़े स्तर पर बढ़ा जब एक नुएर मिलिशिया ने सेना के एक ठिकाने पर कब्जा कर लिया। इसके बाद सरकार ने रीक मचार और सात अन्य विपक्षी नेताओं पर राजद्रोह, हत्या और आतंकवाद समेत कई गंभीर आरोप लगाए। उपराष्ट्रपति को निलंबित कर दिया गया। राजद्रोह से जुड़ा मुकदमा 2025 के अंत से चल रहा है। इसी बीच लंबे समय से टले राष्ट्रपति चुनाव अब दिसंबर में प्रस्तावित हैं। जोंगलेई राज्य में हिंसा और मानवीय संकट संयुक्त राष्ट्र ने राजधानी जुबा के उत्तर-पूर्व में स्थित जोंगलेई राज्य में हाल के हफ्तों में हिंसा बढ़ने पर खास चिंता जताई। वहां बमबारी, भड़काऊ बयान, राहत पहुंचाने में बाधा और बड़े पैमाने पर विस्थापन की खबरें हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2.8 लाख से ज्यादा लोग हिंसा के कारण घर छोड़ चुके हैं। देश में हैजा का गंभीर प्रकोप भी फैला है और सितंबर 2024 से अब तक 98 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं। शांति मिशन पर फंड संकट का असर संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि फंड की कमी के कारण उसे दक्षिण सूडान में अपने शांति मिशन बल में कटौती करनी पड़ी है।

ईरान मुद्दे पर ट्रंप से मिलेंगे नेतन्याहू, परमाणु वार्ता पर रखेंगे पक्ष

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच पर परमाणु कार्यक्रम समझौते पर कोई ठोस बात नहीं बनी है। ओमान में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच वार्ता हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुलाकात होने जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है। हाल ही में ओमान में दोनों देशों के बीच पर परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। जिसकी जानकारी व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने दी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस्त्राइली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से ऊर्जा नीति और नियमों में ढील (डीरेगुलेशन) पर चर्चा होने की संभावना है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान लेविट ने यह भी घोषणा की है कि राष्ट्रपति ट्रंप साल 2009 में ओबामा प्रशासन के दौरान किए गए 'एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग' (खतरा निर्धारण) को रद्द करने जा रहे हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति इस्त्राइली पीएम नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इस सप्ताह का बाकी समय ऊर्जा और डीरिगुलेशन पर केंद्रित रहेगा। गुरुवार को राष्ट्रपति ट्रंप, प्रशासक ली जेल्डिन के साथ मिलकर 2009 की ओबामा-कालीन एंडेंजर्मेंट फाइंडिंग को औपचारिक रूप से रद्द करेंगे। यह अमेरिकी इतिहास की सबसे बड़ी डीरेगुलेशन कार्रवाई होगी, जिससे अमेरिकी नागरिकों को 1.3 ट्रिलियन डॉलर के कठोर नियमों से राहत मिलेगी।' ट्रंप-एपस्टीन को लेकर क्या बोला व्हाइट हाउस? इसी के साथ व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा, 'राष्ट्रपति हमेशा एक जैसे रहे हैं और उन्होंने जेफरी एपस्टीन को मार-ए-लागो में अपने क्लब से निकाल दिया था, क्योंकि जेफरी एपस्टीन एक घिनौना इंसान था।

भारत-यूएस व्यापार समझौता अंतिम दौर में, निवेश समेत कई मुद्दों को जल्द सुलझाने का लक्ष्य

वॉशिंगटन। भारत और अमेरिका ने संकेत दिया है कि सेवाएं, निवेश, श्रम और सरकारी खरीद से जुड़े मुद्दों को कुछ हफ्तों में सुलझाने का लक्ष्य है। फैक्ट शीट के अनुसार कंट्री ऑफ ओरिजिन नियम, डिजिटल व्यापार, सप्लाई चेन सहयोग और बाजार पहुंच पर भी बातचीत जारी है। आइए, इस डील से जुड़ी सभी जानकारियों को जानते हैं। भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। दोनों देशों ने संकेत दिया है कि सेवाओं, निवेश, श्रम और सरकारी खरीद से जुड़े अहम मुद्दों को आने वाले कुछ हफ्तों में सुलझाने की कोशिश की जाएगी। जारी फैक्ट शीट में कहा गया है कि पारस्परिक लाभ वाले व्यापार समझौते पर ऐतिहासिक पहल पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। फैक्ट शीट के मुताबिक दोनों देश लंबित बिंदुओं पर तेज वार्ता जारी रखेंगे। खास तौर पर सेवाएं और निवेश नियम, श्रम मानक और सरकारी खरीद व्यवस्था को लेकर सहमति बनाने पर जोर है। इसके साथ वस्तुओं के उत्पादन वाले देश यानी कंट्री ऑफ ओरिजिन नियमों पर भी बातचीत होगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समझौते के फायदे मुख्य रूप से भारत और अमेरिका को ही मिलें। डिजिटल व्यापार नियमों में बदलाव की तैयारी दस्तावेज में डिजिटल व्यापार से जुड़े नियमों में भी बड़े बदलाव के संकेत दिए गए हैं। भारत ने डिजिटल सेवा कर हटाने की दिशा में प्रतिबद्धता जताई है। साथ ही डिजिटल व्यापार में बाधा बनने वाले भेदभावपूर्ण या बोझिल नियमों को खत्म करने के लिए नए द्विपक्षीय डिजिटल व्यापार नियम बनाने पर सहमति बनी है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।